सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 284 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 27 जुलाई 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

सेना भर्ती ऑनलाइन परीक्षा का परिणाम घोषित

रायपुर। भारतीय सेना में भर्ती की प्रक्रिया के अंतर्गत सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर के अधीन जून और जुलाई 2025 में आयोजित की गई ऑनलाइन संयुक्त प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। यह परीक्षा अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर क्लर्क, अग्निवीर ट्रेडमैन, अग्निवीर महिला सैन्य पुलिस तथा नियमित कैडर में धार्मिक शिक्षक, नर्सिंग सहायक और सिपाही फार्मा जैसे विभिन्न पदों हेतु आयोजित की गई थी।

परीक्षा छत्तीसगढ़ के विभिन्न ऑनलाइन परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी। सफल उम्मीदवारों की सूची भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर उपलब्ध है। साथ ही, परिणाम सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर के सूचना पट पर भी प्रदर्शित किया गया है। उम्मीदवार परीक्षा परिणाम से संबंधित जानकारी या स्पष्टीकरण के लिए सेना भर्ती कार्यालय, नया रायपुर के दूरभाष क्रमांक 0771-2965212 अथवा 2965214 पर संपर्क कर सकते हैं। सेना भर्ती कार्यालय ने पुनः स्पष्ट किया है कि भारतीय सेना में चयन की प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी है और उम्मीदवारों का चयन केवल उनकी योग्यता के आधार पर किया जाता है।

बिजली अधिकारी ने ली रिश्वत, निलंबित

बलरामपुर। जिला मुख्यालय के विद्युत कार्यालय में जेई के पद पर पदस्थ एक अधिकारी का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह बिजली कनेक्शन लगवाने का नाम पर पैसा लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस मामले की शिकायत वीडियो के साथ कलेक्टर के जनदर्शन में भी हुई थी, जिस पर बिजली विभाग के अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए जेई शांतनु वर्धन को पद से निलंबित कर दिया है। यह वायरल वीडियो ग्राम पंचायत भेंडरी का बताया जा रहा है, जहां विद्युत कनेक्शन लगवाने के नाम पर जेई शांतनु वर्धन पहुंचे हुए थे और उनके साथ एक अन्य कर्मचारी भी था। यहां विद्युत कनेक्शन लगवाने के नाम पर उन्होंने पैसे लिए और जिस ग्रामीण ने यह पैसा दिया था उसने इसका वीडियो भी अपने मोबाइल में बना लिया था। इस वीडियो में जेई साहब पैसा गिन रहे हैं साथ में यह भी कह रहे हैं कि मेरे साथ जो यह आदमी बैठा हुआ है इसे भी कुछ दे दीजिएगा।

छत्तीसगढ़ में हेल्थ डिपार्टमेंट के सप्लायर पर जीएसटी की रेड

48 करोड़ की सप्लाई में 1 करोड़ की जीएसटी चोरी का खुलासा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति और सरकारी खरीद में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के तहत राज्य जीएसटी विभाग ने रायगढ़ स्थित मेसर्स श्याम सर्जिकल पर कार्यवाही की है। यह फर्म छत्तीसगढ़ सहित झारखंड और ओडिशा में भी सरकारी अस्पतालों को सर्जिकल और मेडिकल उपकरणों की आपूर्ति करती है।

राज्य जीएसटी विभाग की जांच में सामने आया है कि उक्त व्यवसायी ने स्वास्थ्य विभाग में विगत 4-5 वर्षों में लगभग 48 करोड़ रुपए की आपूर्ति की, जबकि वास्तविक खरीदी केवल 10 करोड़ रुपए की थी। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ है कि व्यवसायी ने खरीदी मूल्य से 4-5 गुना अधिक दरों पर सामग्री की आपूर्ति कर 400 से 500 प्रतिशत तक लाभ कमाया। इसे छिपाने और जीएसटी देनदारी से बचने के लिए व्यवसायी ने अपने परिवारजनों के नाम पर तीन अन्य फर्में राहुल इंटरप्राइजेज, नारायणी हेल्थकेयर और पीआर इंटरप्राइजेस बनाईं तथा आपस में ही खरीदी बिक्री दिखाकर करीब 1 करोड़ की जीएसटी चोरी की।

वित्तमंत्री चौधरी ने दिए थे सरकारी आपूर्ति पर नजर रखने के निर्देश

इस मामले में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के स्पष्ट निर्देशों के अनुरूप वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा अधिकारियों को सरकारी आपूर्ति पर विशेष नजर रखने और किसी भी प्रकार की अनियमितता को तुरंत पकड़ने के लिए निर्देशित किया गया था। इसी के तहत राज्य जीएसटी विभाग की टीम ने यह प्रभावी कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री साय ने कहा है कि राज्य सरकार सरकारी निधि और जन स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाओं में किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करेगी। इस प्रकार की धोखाधड़ी न केवल आर्थिक अपराध है, बल्कि जनहित के साथ विश्वासघात भी है।

सरकारी व्यवस्था का दुरुपयोग करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

सीएम साय ने कहा है कि प्रदेश सरकार ने ऐसे सभी आपूर्तिकर्ताओं और ठेकेदारों को चेतावनी दी है कि यदि कोई भी व्यक्ति या संस्था सरकारी व्यवस्था का दुरुपयोग करके अनुचित लाभ अर्जित करने का प्रयास करता है, तो उसके विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई राज्य शासन की ईमानदार, पारदर्शी और जनहितकारी प्रशासनिक दृष्टिकोण का उदाहरण है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार भ्रष्टाचार के विरुद्ध पूरी प्रतिबद्धता और सख्ती के साथ कार्य कर रही है।

रायपुर में सूधखोर तोमर बंधुओं के दफ्तर पर चला बुलडोजर, दो माह से फरार हैं बदमाश

भाठागांव में बिना नक्शा व अनुज्ञा के विपरीत किया गया था निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के सूदखोर व हिस्ट्रीशीटर बदमाश तोमर बंधुओं के दफ्तर पर रविवार की सुबह निगम का बुलडोजर चला। तोमर बंधुओं के भाठागांव स्थित ऑफिस को निगम ने ढहा दिया है। बताया जा रहा है कि यह ऑफिस बिना नक्शा और अनुज्ञा के विपरीत निर्माण किया गया था। इसी दफ्तर से तोमर बंधु अपनी सूदखोरी का धंधा चलाते थे।

बता दें रायपुर के वीरेंद्र तोमर और रोहित तोमर पिछले दो माह से फरार हैं। रायपुर के तेलीबांधा एवं पुरानी बस्ती थाना सहित जिले के अन्य थानों में 14 मामले दर्ज हैं। अकेले तेलीबांधा और पुरानी बस्ती थानों में करीब सात मुकदमे चल रहे हैं, जिनमें मारपीट, धमकी, जमीन कब्जा और जबरन वसूली जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। पुलिस ने इनके खिलाफ पांच-पांच हजार रुपये का इनाम भी रखा है। पिछले दिनों आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका सीबीआई की विशेष अदालत ने खारिज कर दी। कोर्ट ने पुलिस की अर्जी पर वीरेंद्र और रोहित को फरार घोषित करते हुए उद्घोषणा जारी की है। दोनों को 18 अगस्त तक कोर्ट में हाजिर होने कहा है। अगर वे इस बार भी उपस्थित नहीं हुए तो पुलिस को कोर्ट के आदेशानुसार कुर्की की कार्रवाई करनी होगी।

निगम ने बड़ी कार्रवाई

इस बीच रविवार को रायपुर नगर निगम की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई। निगम ने रविवार को भाठागांव स्थित तोमर बंधुओं के ऑफिस को ढहा दिया। सुबह से ही निगम की टीम मौके पर थी और पहले ऑफिस को खाली कराया गया और उसके बाद बुलडोजर चलाया गया। बताया जा रहा है रोहित तोमर ने अपनी पत्नी के नाम से ये दफ्तर खोला था और यही से सूदखोरी का काम करते थे। कोर्ट के आदेश के मुताबिक यदि तोमर बंधु 18 अगस्त तक सरेंडर नहीं करते तो उनकी बाकि संपत्ति भी कुर्क हो सकती है।

रोहित की पत्नी भावना तोमर को किया गया था गिरफ्तार

10 दिन पहले रोहित सिंह तोमर की पत्नी भावना तोमर को रायपुर की पुरानी बस्ती पुलिस ने गिरफ्तार किया था। भावना शुभकामना वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड की संचालिका थी। वह कंपनी के नाम से जमीन की खरीदी-बिक्री करती थी। उस पर आरोप है कि उसने 3 लाख रुपए की उधारी देकर एक जगुआर कार गिरवी रखी। पीड़ित से 5 लाख वसूलने के बावजूद 10 लाख की मांग करती रही। पुलिस ने जगुआर कार, 2 मोबाइल और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं।

हरिद्वार में बड़ा हादसा : मनसा देवी मंदिर में भगदड़ से 6 लोगों की मौत

हरिद्वार ए.। उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में रविवार सुबह भगदड़ मच गई। भगदड़ में 6 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि मंदिर मार्ग में सीढ़ियों पर करंट होने की अफवाह फैली इससे अफरा-तफरी मची और लोग भागने लगे।

हरिद्वार के एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने कहा मनसा देवी मंदिर में भगदड़ में हमें 35 लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी। इन लोगों को तत्काल अस्पताल लाया गया। इनमें से 6 लोगों की मौत हो गई। बाकी घायलों का इलाज चल रहा है। पता चला है कि मंदिर मार्ग से 100 मीटर नीचे सीढ़ियों पर बिजली का झटका लगने की अफवाह के कारण भगदड़ मची।

सीएम धामी ने जताया दुख

हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर मार्ग में भगदड़ पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुख जताया है। उन्होंने लिखा कि हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर मार्ग में भगदड़ मचने का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। एसडीआरएफ स्थानीय पुलिस और अन्य बचाव दल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे हुए हैं। इस संबंध में निरंतर स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हूं और स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

मन की बात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के बलीदानी सपूत खुदीराम बोस को किया याद

नईदिल्ली ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के ताजा एपिसोड में रविवार को स्वतंत्रता संग्राम के वीर सपूत खुदीराम बोस को याद किया। उन्होंने कहा कि खुदीराम बोस ने बहुत ही कम उम्र में देश के लिए बलिदान दिया, जो आज भी हम सभी को प्रेरणा देता है। पीएम मोदी ने बताया कि यह घटना 11 अगस्त 1908 की है। उस दिन का सुबह का वक्त था और जगह थी बिहार का मुजफ्फरपुर शहर। अंग्रेज सरकार ने खुदीराम बोस को फांसी देने की तैयारी कर ली थी।

पीएम मोदी ने कहा कि जेल के अंदर अंग्रेज अफसर एक 18 साल के युवा को फांसी देने की तैयारी में थे, लेकिन उस युवा के चेहरे पर कोई डर नहीं था। वहां सिर्फ और सिर्फ गर्व था, वही गर्व जो किसी को देश के लिए मर-मिटने पर होता है। उन्होंने बताया कि उस वक्त जेल के बाहर हजारों लोग जमा थे। हर गली, हर चौराहा शांत था, लोगों की आंखों में आंसू थे, लेकिन दिलों में गुस्सा और जोश था। वे सब एक ऐसे वीर को अंतिम विदाई देने आए थे जिसने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर सपूत खुदीराम बोस को श्रद्धांजलि दी। साथ ही कहा कि खुदीराम बोस का साहस और देशभक्ति आज भी हम सभी को प्रेरित करती है। हमें अपने ऐसे वीर सपूतों के बलिदान को याद रखना चाहिए और उनसे सीख लेनी चाहिए।

कौन थे खुदीराम बोस?

बता दें कि खुदीराम बोस सिर्फ 18 साल की उम्र में देश के सबसे नौजवान स्वतंत्रता सेनानी बन गए जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ बगावत करते हुए बलिदान दिया। उन्होंने ब्रिटिश अफसरों को निशाना बनाने की कोशिश की, जिसमें अंग्रेज अफसर किंग्सफोर्ड को मारने की योजना थी। हालांकि योजना सफल नहीं हुई और खुदीराम पकड़े गए और उन्हें फांसी की सजा हुई।

बेटी से अश्लील हरकत करने पर मां ने लगाई फटकार युवक ने की हत्या

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक युवक ने धारदार कुल्हाड़ी से एक के बाद एक वार करते हुए महिला की हत्या कर दी। परिजनों की रिपोर्ट के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर कार्रवाई में जुट गई है, मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है। ग्राम धौंराडांड निवासी कृष्णा राऊत ने थाने में रिपोर्ट लिखाते हुए बताया कि 25 जुलाई की शाम 4 बजे उसकी पत्नी रेखा राउत घर आ रही थी। इसी बीच लोकेश्वर यादव (21) निवासी नवागांव ने धारदार कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है, वहीं परिजनों की रिपोर्ट के बाद लैलूंगा पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश शुरू कर दी है।

बीजापुर में एनकाउंटर : सुरक्षाबलों ने 4 नक्सलियों को मार गिराया, इंसास-विस्फोटक सामग्री बरामद

- दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में हुई मुठभेड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शनिवार शाम को सुरक्षाबलों व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 4 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। घटना स्थल से सुरक्षाबलों ने चार नक्सलियों के शव भी बरामद कर लिए हैं। बताया जा रहा है रुक-रुककर फायरिंग जारी है। सुरक्षाबलों ने मौके से इंसास, एसएलआर राइफल समेत बड़ी मात्रा में हथियार, विस्फोटक सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद किया है।

मिली जानकारी के अनुसार बीजापुर जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में शनिवार शाम को मुठभेड़ शुरू हुई। दरअसल सुरक्षाबलों को नक्सलियों की मौजूदगी की सटिक जानकारी मिली थी। मुठभेड़ को लेकर पुलिस ने ज्यादा जानकारी फिलहाल साझा नहीं की है। ऑपरेशन में जुड़े जवानों की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस द्वारा इसे गोपनीय रखा गया है। पुलिस ने बताया कि ऑपरेशन खत्म होने के बाद मुठभेड़ से संबंधित विस्तृत जानकारी अलग से दी जायेगी।

18 जुलाई को एनकाउंटर में मारे गए थे 6 नक्सली

इससे पहले 18 जुलाई को नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में जवानों ने 6 नक्सलियों का एनकाउंटर किया था। मुखबिर की सटीक सूचना पर सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम सर्चिंग पर निकली थी। जहां फोर्स ने माओवादियों को घेर कर मार गिराया। बारिश के मौसम में भी नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन मानसून जारी है। इस दौरान पुलिस का नक्सलियों से सामना हुआ। दोनों तरफसे फायरिंग हुई थी। जवानों ने जवाबी कार्रवाई में नक्सलियों को ढेर कर दिया। मौके से एके-47 जैसे ऑटोमैटिक हथियार भी बरामद हुए थे।

लोकल ट्रेनों से गिर कर चल बसे 26 हजार से ज्यादा लोग

श्रीकंचनपथ

परिवहन सेवाएं किसी भी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसमें यात्री और सामान दोनों का परिवहन शामिल है। फिलहाल देश का रेलवे सिस्टम माल परिवहन को प्राथमिकता दे रहा है क्योंकि उसमें कमाई ज्यादा है। यह सोचने की फुर्सत किसी को नहीं है कि सामान के साथ-साथ उसपर काम करने वाले और बनाने वाले हाथों का भी वक्त पर पहुंचना जरूरी होता है। मुंबई के लोकल ट्रेन नेटवर्क पर पिछले दस सालों में 26 हजार पांच सौ लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा संख्या रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने वालों की थी जबकि दूसरी सबसे बड़ी संख्या उनकी थी जो ओवर क्राउडेड ट्रेनों में लटककर सफर करते हैं। कभी ये पटरी किनारे के खंभे से टकरा गए तो कभी झटके से छिटककर गिर गए। मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी भी कहा जाता है। यहां हजारों की संख्या में लोग प्रतिदिन रोजगार के लिए शहर आते हैं और रात को लौट जाते हैं। इनका परिवहन एक बड़ी चुनौती है। मुंबई की सड़कों का यह हाल है कि वहां गाड़ियां चलती नहीं बल्कि रेंगती हैं। इसलिए सड़क मार्ग से समय पर काम पर पहुंच पाना अक्सर संभव नहीं होता। यह समस्या दिन पर दिन और गंभीर होती जा रही है। देश का प्रत्येक शहर, चाहे वह छोटा हो या बड़ा ट्रैफिक और पार्किंग की समस्या से जूझ रहा है। जितनी जगह में 100 कर्मचारियों की स्कूटर खड़ी हो जाती थी उसे अब 10 कारें मिलकर घेर लेती हैं। सड़कों की भी यही हालत है। सड़कें जितनी चौड़ी हो रही हैं गाड़ियां उतनी ही बड़ी हो रही हैं। एक बड़े साइज की एसयूवी 126 वर्गफुट के आसपास जगह घेरती है। वहीं एक सामान्य बस लगभग 320 वर्गफुट जगह घेरती है। 126 वर्गफुट की गाड़ी में एक या दो सवारी होते हैं जबकि एक बस में 25 से 40 लोग यात्रा करते हैं। जाहिर है कि जैसे जैसे निजी वाहनों की संख्या बढ़ेगी सड़कें कम पड़ती जाएंगी। करोड़ों रुपए के फ्लाईओवर भी इस समस्या का समाधान ज्यादा दिन तक नहीं कर सकते। अब या तो लोग सुधर जाएं और बिना जरूरत के गाड़ी लेकर सड़कों पर न निकलें या फिर सरकार ही गाड़ियों को बैन करना शुरू कर दे। एक कोशिश शुरू हुई तो है पुरानी गाड़ियों को सड़क से हटाने की। पर समस्या की तुलना में यह ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। ईएमआई और कम ब्याज दरों के कारण गाड़ी खरीदने का सपना अब लगभग सभी लोग पूरा कर रहे हैं। जिनके घर तंग गलियों में है, उनके पास भी चार चक्का वाहन है। रात के समय ये गाड़ियां गली के मुहाने पर या बीच सड़क में पार्क की जाती हैं। एक समय वह था जब बीएसपी के अधिकारी भी कार पूल करते थे। एक कार में चार जाते थे। पर नया दौर ठसन दिखाने का है।

संपादकीय

लोगों से जुड़ना भी है, लोगों को जोड़ना भी है

कोई भी त्यौहार हो, वह उल्लास,उमंग से भरा होता है। सब लोग खुशी खुशी मनाते हैं, सब एक दूसरे से जुड़ते हैं और एक दूसरे को जोड़ते भी हैं। जब सब एक दूसरे से जुड़ते हैं तो लोगों में एक अपनापन का भाव पैदा होता है, लोगों को लगता है कि यह हममें से एक है, यह हमसे अलग नहीं है ऐसे समय में कोई भेदभाव नहीं करता है, सब दूसरे के लिए मंगलकामना करते हैं। सब चाहते है कि सब आने वाले समय में सुखी रहे, खुशहाल रहे। सब चाहते हैं तो आने वाला समय सभी के लिए वैसा ही होता है जैसा हम चाहते हैं। इसलिए हमारे पर्व एक दूसरे के लिए मंगलकामना करने वाले होते हैं।

"छत्तीसगढ़ का हरेली त्यौहार किसानों का त्यौहार होने के साथ ही पर्यावरण के प्रति सचेत रहने का संदेश देता है। बारिश के मौसम में हरेली का पर्व मनाया जाता है, यानी तब मनाया जाता है जब चारों तरफ हरियाली होती है और हरियाली चारों तरफहो तो किसको खुशी नहीं होती है। छत्तीसगढ़ में तो सबसे पहला त्यौहार हरेली होता है, हरेली के बाद ही सारे त्यौहार मनाये जाते हैं। पहला त्यौहार होता है, इसलिए थोड़ी ज्यादा खुशी गांव-गांव में दिखती है।ऐसा लगता है कि गांव हरेली में खुश हैं। सीएम, नेताओं सहित किसान कृषि यंत्रों की पूजा करते हैं, भगवान की पूजा करते हैं, तरह तरह व्यंजन बनाकर भगवान को भोग लगाया जाता है। हरेली में गेड़ी चढ़ने की परंपरा है इसलिए बच्चे,युवा गेड़ी चढ़ते है, कई तरह की प्रतियोगिताएं होती हैं।"

राज्य में परंपरा हो गई है कि जो भी सीएम बनता है, वह सीएम निवास में छत्तीसगढ़ के पर्व मनाता है और इस दिन सीएम हाउस के दरवाजे सबके लिए खुले होते हैं। भूपेश बघेल जब सीएम थे तो सीएम निवास में जो धूम रहती थी, आज सीएम साय हैं तो भी सीएम हाउस में हरेली की धूम तो रही है, भाजपा के कई नेताओं के यहां भी हरेली का पर्व सोल्लास मनाया गया। हर पर्व की तरह यह पर्व भी लोगों को खुद से जोड़ने से और उनसे जुड़ने को होता है तो नेताओं के लिए तो लोगों से जुड़ना और लोगों को जोडना सबसे ज्यादा जरूरी होता है, लोगों के जुड़ने एक कारण यह भी होता है कि हमारा नेता हमारे जैसा छत्तीसगढिया है, हमारे जैसे त्यौहार मनाता है।

अब भूपेश बघेल ने यह परंपरा शुरू की है तो उनके लिए तो अपने निवास मे हरेली का त्यौहार मनाना और भी जरूरी था। उन्होंने मनाया भी, सीएम नहीं रहने के बाद भी खुद को छत्तीसगढिया नेता बताने के लिए पहले जो कुछ करते थे, सब किया। हाथ पर लट्टू चलाकर दिखाया,गेड़ी चढ़कर दिखाया। पहले उनकी एक तस्वीर आती थी जिसमें वह एक छोटे बच्चे को हाथ में खड़े कर देते थे। इस बार अखबार में ऐसी तस्वीर नहीं दिखी। यह सब करना उनके लिए ठीक था लेकिन उनका यह कहना राज्य के बहुत लोगों को अच्छा नहीं लगा कि पुत्रमोह में उन्होंने सरकार का बुरा चाहा। कहा मेरे परिवार को जिसने भी जेल भेजा उसकी सरकार चली जाती है। हरेली तिहार एक दूसरे के प्रति शुभकामना करने का होता है, एक दूसरे का भला चाहने का होता है। यह वक्त गुस्सा व नफरत का नहीं होता है इतने बड़े नेता होकर भूपेश बघेल कैसे यह भूल गए। वह भाजपा की आलोचना तो करते हैं कि भाजपा नफरत की राजनीति करती है लेकिन लोगों ने आज देखा कि वह भी तो वही कर रहे थे।

ऐतिहासिक भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता-नए भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि

पीयूष गोयल, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) भारतीय किसानों, मछुआरों, कारीगरों और व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर पहचान देने के साथ-साथ रोज़गार के असंख्य अवसरों का सृजन करेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप लोगों को प्रतिस्पर्धी दरों पर उच्च-गुणवत्ता वाली वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेगा।

भारत और ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए), ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के मुक्त व्यापार समझौते और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य विकसित देशों के साथ इसी तरह के समझौतों के अनुरूप है। यह मोदी सरकार के विकसित भारत 2047 के स्वप्न को साकार करने के क्रम में आर्थिक विकास और रोज़गार सृजन को अधिकतम करने की रणनीति का एक हिस्सा है।

प्रधानमंत्री की रणनीति- वर्ष 2014 में, मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को पुन: स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई। विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करना, इस व्यापक रणनीति का एक हिस्सा है। एफटीए, व्यापार नीतियों के बारे में अनिश्चितताओं को दूर करते हुए निवेशकों का विश्वास भी बढ़ाते हैं।

विकसित देशों के साथ एफटीए, जिनके भारत के साथ प्रतिस्पर्धी व्यापारिक हित नहीं हैं, दोनों पक्षों के लिए लाभप्रद है, जबकि पिछली सरकार ने भारत के दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने का रवैया अपनाया था।

यूपीए शासनकाल में, विकसित देशों ने भारत के साथ व्यापार वार्ता लगभग रोक दी थी और उस समय भारत को दुनिया की पाँच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2014 से लगभग तीन गुना बढ़कर लगभग 331 लाख करोड़ रुपये हो गया है। क्रांतिकारी सुधारों, व्यापार में आसानी और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आकर्षक गंतव्य के रूप में उभरने में सहायता की है। आज, दुनिया भारत की अद्भुत गाथा में भागीदारी के साथ-साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करना चाहती है।

बाजार पहुंच, प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त- यह एफटीए ब्रिटेन के बाजार के सभी क्षेत्रों में भारतीय वस्तुओं के लिए व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित करेगा। यह लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों के टैरिफ को समाप्त करते हुए व्यापार मूल्य के लगभग 100 प्रतिशत को कवर करता है। इस समझौते के अंतर्गत 56 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार से सृजित होने वाले व्यापक अवसरों के वर्ष 2030 तक दोगुना होने का अनुमान है।

छोटे व्यवसाय समृद्ध होंगे, क्योंकि भारतीय उत्पादों को प्रतिद्वंद्वियों पर स्पष्ट प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल होगी। फुटबॉल, क्रिकेट उपकरण, रग्बी गेंदें और खिलौने बनाने वाली कंपनियों का ब्रिटेन में अपने कारोबार में उल्लेखनीय विस्तार होगा।

असंख्य रोजगार- आकर्षक बाज़ार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त से निर्यात स्थायित्व के साथ-साथ निवेश और रोजगार सृजन में वृद्धि होगी। भारत वस्त्र, चमड़ा और जूते से जुड़े क्षेत्रों में ब्रिटेन को आपूर्ति करने वाले तीन प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में से एक बनने की शानदार स्थिति में है और इससे भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में प्रमुख क्षमता के रूप में उभरने में सहायता मिलने के साथ ही यह छोटे व्यावसायियों, कारीगरों और महिलाओं को भी सहायता प्रदान करेगा।

रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, रसायन और फोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में भी वृद्धि होने की आशा है।

किसान प्रथम- 95 प्रतिशत से अधिक कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य टैरिफ लाइनों पर शून्य शुल्क लगेगा, जिससे कृषि-निर्यात और ग्रामीण समृद्धि में तीव्र वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच से अगले तीन वर्षों में कृषि निर्यात में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है, जो वर्ष 2030 तक भारत के 100 अरब डॉलर के कृषि-निर्यात के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान देगा। यह मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भारतीय किसानों के लिए प्रीमियम ब्रिटिश बाजार को खोल देगा, जो जर्मनी, नीदरलैंड और अन्य यूरोपीय संघ के देशों को मिलने वाले लाभों के बराबर या उससे भी अधिक होगा।

हल्दी, काली मिर्च, इलायची और प्रसंस्कृत उत्पाद जैसे आम का गूदा, अचार और दालों को भी शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी। निर्यात बढ़ने से कृषि आय में वृद्धि होगी तथा गुणवत्ता, पैकेजिंग और प्रमाणन को अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। इससे कृषि मूल्य श्रृंखला में रोजगार के असंख्य अवसर सृजित होंगे।

कमजोर वर्गों की सुरक्षा-घरेलू किसानों की सुरक्षा के लिए एफटीए में भारत के सबसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को बाहर रखा गया है। भारत ने डेयरी उत्पादों, सेब, जई और खाद्य तेलों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है।

ये रियायतें, मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमजोर कृषक समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को रेखांकित करती हैं।

मछुआरों का विकास-भारतीय मछुआरे, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल और तमिलनाडु के मछुआरे, ब्रिटेन के समुद्री आयात बाजार तक पहुंच के माध्यम से उल्लेखनीय विस्तार का अनुभव करेंगे। झींगा और अन्य समुद्री उत्पादों पर ब्रिटेन का आयात शुल्क वर्तमान 20 प्रतिशत से घटकर शून्य हो जाएगा। यह संभावना अभूतपूर्व है क्योंकि ब्रिटेन के 5.4 अरब डॉलर के समुद्री आयात में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.25 प्रतिशत है।

सेवाएं और पेशेवर-यह समझौता आईटी/आईटीईएस, वित्तीय सेवा और शिक्षा सहित विभिन्न सेवाओं को गति प्रदान करेगा और भारतीयों के लिए नवीन अवसरों का सजृन करेगा। इस समझौते में संविदा सेवा प्रदाता, व्यावसायिक यात्री, निवेशक, योग प्रशिक्षक, संगीतकार और रसोइये सहित कुशल पेशेवरों के लिए भारत ने अनुकूल गतिशीलता प्रावधान सुनिश्चित किए हैं।

अभिनव एफटीए-प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत के एफटीए में वस्तुओं और सेवाओं के अलावा अन्य महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। इस एफटीए ने नए मानक स्थापित किए हैं। इस ईएफटीए के साथ, भारत ने 100 अरब डॉलर के निवेश की बाध्यकारी प्रतिबद्धता हासिल की है, जिससे भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। ऑस्ट्रेलिया के एफटीए के साथ, भारत ने दोहरे कराधान के मुद्दे का समाधान किया, जो आईटी कंपनियों के लिए एक बाधा बना हुआ था।

इस एफटीए का एक सबसे महत्वपूर्ण पहलू दोहरा अंशदान समझौता है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं और अस्थायी भारतीय कर्मचारियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण वस्तुएं-व्यापार समझौते प्रतिस्पर्धा बढ़ाते हैं, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च-गुणवत्ता युक्त वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता मिलती है। मोदी सरकार ने गुणवत्ता को प्रोत्साहन और बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन प्रदान किया है, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी किए हैं और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर वार्तालाप किया है।

सरकार ने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले उद्योग जगत और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक हितधारक परामर्श किया है। यह जानकर प्रसन्नता का अनुभव होता है कि उद्योग निकायों ने मोदी सरकार द्वारा हस्ताक्षरित प्रत्येक मुक्त व्यापार समझौते का भारी समर्थन और स्वागत किया गया है।

सीईटीए बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी व्यापार समझौतों के लिए एक मानक है। यह हमारे मूल हितों से समझौता किए बिना, वंचित समुदायों के लिए आकर्षक वैश्विक अवसरों के द्वार खोलता है। यह इस बात का एक ज्वलंत उदाहरण है कि नया भारत व्यापार किस प्रकार करता है।

आतंकवाद कतई बर्दाश्त नहीं

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद, अलगाववाद व उग्रवाद की चुनौती से सख्ती से निपटने के उद्देश्यों पर अडिग रहने का आह्वान करते हुए कहा, भारत आतंकवाद कतई बर्दाश्त नहीं करेगा।

वह बींजिंग में शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में नृशंस आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने इन तीनों चुनौतियों के अक्सर साथ आने की बात भी की। आतंकियों, प्रायोजकों, आयोजकों व वित्त पोषकों को जवाबदेह बनाने तथा न्याय के कठघरे में लाने की जरूरत पर भी बल दिया। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बल दिया कि अशांत और बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के मद्देनजर संगठन को कुशलतापूर्वक कार्य करना होगा।

शी ने क्षेत्रीय सुरक्षा, स्थिरता की रक्षा व सदस्य देशों के विकास की बात भी की। इस सम्मेलन में दस अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के अतिरिक्त बीस से ज्यादा देशों के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है जिनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन के भाग लेने की भी चर्चा थी। मोदी इसमें शामिल होते हैं तो इसे गलवान गतिरोध के बाद भारत-चीन संबंधों में संभावित परस्परता, संबंधों में सुधार व कूटनीतिक नरमी के संकेत के रूप में लिया जा सकता है।

2023 में मोदी ने इस सम्मेलन में वचरुली शिरकत की थी जबकि बीते वर्ष उनकी अनुपस्थिति को घटते सामरिक महत्व से जोड़ कर देखा गया। हालांकि रूस कभी नहीं चाहता कि ऐसा कोई भी संगठन चीन के प्रभुत्व वाला मंच बन जाए। इसमें पाकिस्तानी, रूसी व ईरानी विदेश मंत्री के भी शामिल होने की संभावनाएं हैं। यह भारत, चीन, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान व बेलारूस का प्रभावशाली आर्थिक व सुरक्षा समूह है।

अमेरिका से सीधा दो-दो हाथ करने वाले शी ने परोक्ष रूप से उस पर कटाक्ष करते हुए बहुध्रुवीय वि को बढ़ावा देने व उसकी धौंस का विरोध करने के लिए संयुक्त प्रयासों का भी आह्वान किया। बेशक, भू-राजनीतिक परिदृश्य में आ रहे बदलावों को देखते हुए रूस व चीन दुनिया के समक्ष अपनी ताकत का मुजाहिरा करने को बेताब हैं। एशिया के सभी प्रमुख देशों को अपनी प्राथमिकताओं का ख्याल रखते हुए आतंकवाद से जूझना है। अमेरिका विरोधी रुखखासकर पश्चिमी देशों को सीधा टक्कर देने वाला रुख भारत का कभी नहीं रहा है। भारत आतंकवाद से निपटने को चुनौती के तौर पर देख रहा है, मगर वह अपनी वैंकि छवि व कूटनीतिक चुनौतियों पर आंच नहीं आने देना चाहेगा।

आयातित कारें बेचने आई मस्क की कंपनी

जिस दिन देश में घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री में कमी आने की रिपोर्ट आई ठीक उसी दिन अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला ने धूमधाम से भारत में प्रवेश कर लिया। टेस्ला ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में अपना पहला 'एक्सपीरियंस सेंटर' खोला है।

खेद की बात यह कि कंपनी भारत में कार बनाने नहीं, बल्कि आयातित कारें बेचने आई है। मस्क ने इससे पहले उच्च आयात शुल्क को कंपनी के भारत में नहीं आने की वजह बताया था। कंपनी चीन स्थित शंघाई विनिर्माण संयंत्र में बने मॉडल 'वाई' को आयात करके भारत में बेचेगी जिसकी शुरुआती कीमत 59.89 लाख रुपये है।

मध्यम आकार की इलेक्ट्रिक एसयूवी 'वाई' कभी दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार थी। यह भारत में दो संस्करणों में उपलब्ध होगी। दोनों कारें एक बार की चार्जिंग में क्रमश: 500 और 622 किमी. का सफर तय कर सकती हैं। मस्क की कंपनी टेस्ला कुछ समय से बिक्री में गिरावट से जूझ रही है।

मस्क लंबे समय से भारत में टेस्ला को लाने की प्लानिंग कर रहे थे। उनकी योजना भारत में टेस्ला का कारखाना लगाने की भी थी। भारत में जिस मॉडल की कीमत लगभग 60 लाख रु पये है, उसी मॉडल की कीमत अमेरिका में 44,990 डॉलर यानी लगभग 39 लाख रु पये है, चीन में 36,700 डॉलर यानी 32 लाख रु पये और जर्मनी में 45,970 डॉलर यानी करीब 39 लाख 50 हजार रुपये है।

टेस्ला भारत में जिन कारों को ग्राहकों के लिए लेकर आएगी उन पर करीब 100 फीसद टैरिफ लगेगा। टेस्ला के भारत में आने से हमें बहुत खुश होने की जरूरत नहीं है। जब तक यह भारत में विनिर्माण संयंत्र नहीं लगाती तब तक भारतीयों को अपने बीच के ही चंद अरबपतियों की कारें देख कर खुश होना पड़ेगा। वैसे भी टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक कारों के प्रीमियम ग्रुप को ही लक्ष्य बना रही है। ये भारत के कुल ऑटोमोबाइल मार्केट का 4 फीसद है।

टेस्ला, इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली घरेलू कंपनियों जैसे टाटा मोटर्स और महिंद्रा से प्रतिस्पर्धा नहीं करेगी। उसका मुकाबला होगा बीएमडब्ल्यू और मर्सडीज-बेंज से। सरकार कहती है कि देश में लोग तेजी से गरीबी की रेखा से ऊपर आ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की राय इसके उलट है। आप भी टेस्ला की कार चलाना चाहते हैं तो अमेरिका से ट्रेड डील या भारत के टैरिफ घटाने का इंतजार करें।

हिमालय की भौगोलिक संरचना को नजरअंदाज

सुरेश भाई

हिमालय में बाढ़ और भूस्खलन के चलते पर्यटकों और यात्रियों को बार-बार रोकना पड़ रहा है। गांव में रहने वाले लोग भारी बारिश के चलते रातभर सो नहीं पाते हैं।

ऐसी भी सैकड़ों बस्तियां हैं जिनके आसपास विकास के नाम पर चारागाह, जंगल, खेती, पुराने रास्ते, नहरें क्षतिग्रस्त हुए हैं और वहां से लोग भूस्खलन की डर से सुरक्षित स्थान की तरफ भाग जाते हैं। इस विषम परिस्थिति में गर्भवती महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे अधिक तकलीफ में हैं। पुराने समय में हिमालय के पर्वतीय अंचल में जब बरसात प्रारंभ होती थी तो लोग अपने मवेशियों को लेकर जंगल में घास के बीच में छानियां बनाकर निवास करते थे। जहां से वे दूध, घी, मक्खन बनाकर बेचते थे और उसके बदले उन्हें साल भर की राशन खरीदना होता था। तब उनके चारों ओर आज की जैसी आपदा की स्थिति नहीं थी और बारिश में लोगों को अपनी खेती-बाड़ी में बारहनाजा (एक ही खेत में 12 प्रकार की फसल) की फसलें तैयार होती दिखाई देती थी। हिमालय के नीचे मैदानी क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी बरसाती मौसम में नदियों में बहकर जाने वाली उपजाऊ मिट्टी, पानी को अच्छी फसल के संकेत मानते थे।

अब वह पुराना समय चला गया है। गत वर्ष 2023-24 में जिस तरह की बाढ़ मध्य हिमालय से लेकर हिमाचल, जम्मू कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों में 500 से अधिक लोग मारे गए थे। उसकी पुनरावृत्ति सन 2025 की शुरु आती बरसात में ही दिख रही है। बरसात के मौसम का प्रभाव उत्तराखंड और हिमाचल पर सबसे अधिक है। केदारनाथ जाने वाले रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग पर पिछले वर्षो से सड़क चौड़ीकरण के बाद दर्जनों डेंजर जोन बने हुए हैं। जहां पर इस बार भी सोनप्रयाग के पास पहाड़ खिसकने से लगभग 1300 यात्रियों को रेस्क्यू करना पड़ा।

जून के अंत में यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिलाई बैंड के पास निर्माण कार्य में लगे 18 मजदूरों में से 9 मजदूर बहकर लापता हो गये थे। यहां पर बहुत लंबे समय से औजरी, डाबरकोट, कुथनौर, पालीगाड़, सिलाई बैंड, किसाला आदि स्थान भू-धंसाव के लिए संवेदनशील बने हुए हैं। 2023-24 की बरसात में भी यहां पर लगातार निर्माण का मलबा सड़क पर बहकर आया था। इसके बावजूद भी करोड़ों खर्च करने के बाद इस मार्ग को चौड़ीकरण करने से पहले भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र को बचाने के लिए जो वैज्ञानिक उपाय होने चाहिए थे उस पर ध्यान नहीं गया है, जिसके कारण लंबे समय से हर बरसात में यह स्थान यमुना नदी की तरफ टूट कर बह जाता है।

यमुनोत्री आने-जाने वाले तीर्थयात्री बड़ी मुश्किल से इस भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र से जान जोखिम में डालकर गुजरते हैं। जानकी चट्टी से यमुनोत्री तक 6 किमी के पैदल रास्ते पर भी एक दर्जन ऐसे संवेदनशील स्थान वैज्ञानिकों ने चिह्नित किए हैं जहां भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। इस बार भी यहां पर लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। अत: जरूरत है कि बहुत चौड़ी सड़क के स्थान पर जहां से भूस्खलन लगातार हो रहा है उस एरिया तक पहुंच बना करके ट्रीटमेंट करने पर ध्यान देना चाहिए। सड़क मार्ग को इस डेंजर जोन पर अधिक चौड़ा करने की कोशिश करेंगे तो आने-जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

दूसरी ओर स्याना चट्टी के पास यमुना नदी पर झील बनने का खतरा बना हुआ है, जिस पर उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्य लगातार नजर बनाए हुए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी यहां भूस्खलन क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया है। गंगा की सहायक नदी अलकनंदा, भागीरथी, भिलंगना, बालगंगा उफान पर हैं, लोग भारी बारिश और बाढ़ का सामना कर रहे हैं।

भारत के समक्ष आर्थिक और सैन्य चुनौतियां

जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय भारत के समक्ष जो आर्थिक और सैन्य चुनौतियां हैं, उनके मद्देनजर भारत को दुनिया की नई वैंकि आर्थिक शक्ति और उन्नत परमाणु शक्ति बनना जरूरी है।

चार जुलाई को भारतीय सेना के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने न सिर्फ पाकिस्तान को हराया, बल्कि पाकिस्तान को परोक्ष रूप से हरसंभव सहायता देने वाले चीन और तुर्किए को भी हराया है।

यद्यपि एक जुलाई से 31 जुलाई तक एक माह के लिए पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष बनने के बाद वह अध्यक्ष के रूप में कोई विशेष शक्ति नहीं रखता, फिर भी उसने भारत के हितों को नुकसान पहुंचाने के कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। ऑपरेशन सिंदूर में बुरी तरह पिटने के बाद भी पाकिस्तान की अकड़ कम नहीं हुई है। पाकिस्तान की सरकार और उसके सेना प्रमुख आसिम मुनीर भारत को बार-बार गीदड़ भभकी देने से बाज नहीं आ रहे हैं। 30 जून को मुनीर ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को वैध संघर्ष बताते हुए कहा कि उनका देश कश्मीर के लोगों के संघर्ष में हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। भारत को मात देने के लिए चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश मिल कर नया सार्क बनाने की तैयारी कर रहे हैं।

इस नये सार्क में दक्षिण एशिया के अन्य देशों को भी शामिल करने की तैयारी है। ऐसे में देश के पड़ोसी दुश्मन देशों पाकिस्तान और चीन के बढ़ते नापाक गठबंधन और उनके द्वारा लगातार आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने के परिदृश्य के मद्देनजर भारत को नई आर्थिक शक्ति और नये दौर के उन्नत परमाणु हथियारों की क्षमताओं से सुसज्जित होना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि इजरायल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर के तहत भारत-पाकिस्तान संघर्ष के परिणामों का विश्लेषण बताता है कि युद्ध में नई एआई तकनीक और आर्थिक ताकत की अहमियत दिखाई दी है, और परमाणु हमले की धमकी बेअसर साबित हुई है।

लेकिन अब पाकिस्तान द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जाने के मद्देनजर भारत के लिए उन्नत परमाणु शक्ति-संपन्न देश बनना भी जरूरी है। चूंकि शक्ति के माध्यम से ही शांति आती है, और शक्ति से ही भविष्य के युद्ध भी रोके जा सकते हैं, अतएव भारत को हर मोर्चे पर शक्तिशाली बनाने के सपने को साकार करने के लिए देश के आसमान छूते वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी-कारोबारी और पूरे देश का जन-बल एकजुटता से कदम बढ़ाते दिखाई दे रहे हैं। गौरतलब है कि पिछली 24 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि पिछले 11 वर्षो में सरकार ने आर्थिक-सामरिक क्षेत्र को मजबूत बनाया है। आतंकवाद के प्रति कठोर नीति अपनाई है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने महज 22 मिनट में स्वदेशी हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजूबर कर दिया।

वस्तुत: ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने एआई के उपयोग से पाकिस्तान के लक्षित आतंकी ठिकानों को बर्बाद करके अभूतपूर्व मिसाल पेश की। ऐसे में भारत, दुनिया की आर्थिक शक्ति बनने, पाकिस्तान और चीन की सैन्य चुनौतियों से मुकाबले के लिए एआई तकनीकों और उन्नत परमाणु हथियारों से शक्ति-संपन्न देश बनने की संभावनाओं को साकार कर सकता है। निस्संदेह भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था इसे वैंकि आर्थिक शक्ति बना सकती है। यह छोटी बात नहीं है कि पिछले दिनों दुनिया को हिला देने वाले इजरायल और ईरान के बीच भारत अपने बहुआयामी आर्थिक आधारों से युद्ध की आर्थिक चुनौतियों के बीच सक्षम बन कर मजबूती के साथ खड़ा रहा है। जहां इस युद्ध से कई देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि, व्यापार में कमी, खाद्यान्न सहित जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति में कमी और शेयर बाजार में गिरावट का परिदृश्य उभर कर दिखाई दिया, वहीं भारत इन सब मुश्किलों के मद्देनजर बेहतर स्थिति में बना रहा है।

यह भी महत्त्वपूर्ण है कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के साथ संघर्ष का भी भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर नहीं पड़ा। भारत का बड़ा घरेलू बाजार, कम निर्यात निर्भरता, सरकार के भारी पूंजीगत व्यय, बढ़ती क्रय शक्ति, मेक इन इंडिया और कृषि क्षेत्र में ऊंची सफलता ने देश को बाहरी आर्थिक झटकों को झेलने के लिए मजबूत स्थिति में रखा है।

युद्ध के दौर में भी भारत के निर्यात बढ़े हैं, और भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि हुई है। भारत की विकास दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसद रहेगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की वि आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते दिखाई देगा। निश्चित ही इजरायल-ईरान युद्ध और ऑपरेशन सिंदूर का यह भी सबक है कि युद्ध सिर्फ आर्थिक ताकत और अत्याधुनिक एआई तकनीक के दम पर ही लड़े जाते हैं तथा केवल परमाणु हमले की धमकी से युद्ध नहीं जीते जाते। किंतु इस समय पाकिस्तान और चीन की युद्ध चुनौतियों के मद्देनजर भारत को परमाणु हथियारों को उन्नत होना भी जरूरी है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक परमाणु हथियारों की संख्या में कमी का युग खत्म हो रहा है।

अब परमाणु हथियारों में वृद्धि और हथियार नियंतण्रसमझौतों को छोड़ने की प्रवृत्ति दिख रही है। दुनिया के नौ परमाणु शक्ति-संपन्न देश-अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजरायल-सभी अपने परमाणु हथियारों को और उन्नत करने में जुटे हैं। भारत के पास 180 और पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि पाकिस्तान भारत के ऑपरेशन सिंदूर से बुरी तरह पराजित होकर चीन की मदद से अपने परमाणु हथियारों को उन्नत करने की कोशिश में जुट गया है, ऐसे में भारत का उच्च परमाणु शक्ति बनना जरूरी है। उम्मीद करें कि सरकार इजरायल-ईरान युद्ध और ऑपरेशन सिंदूर से निकले उम्मीदों भरे आर्थिक-सामरिक सबक के मद्देनजर भारत को आर्थिक शक्ति, एआई की नई तकनीकों और उन्नत परमाणु शक्ति-संपन्न देश बनाने के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

जिले में अब तक 477.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2025 से 26 जुलाई 2025 तक 477.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 593.4 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 383.9 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील बोरी में 429.6 मिमी, तहसील अहिवारा में 580.6 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 411.4 मिमी और तहसील दुर्ग में 465.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 26 जुलाई 2025 को तहसील दुर्ग में 68.8 मिमी, तहसील धमधा में 55.1 मिमी, तहसील पाटन में 61.1 मिमी, तहसील बोरी में 60.6 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 84.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 95.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

भारत सरकार द्वारा गठित दल द्वारा जिले के उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण

दुर्ग। भारत सरकार द्वारा गठित संयुक्त केन्द्रीय निरीक्षण दल के सदस्य पी.जी. मिथानडोई, अवर सचिव, उर्वरक एवं रसायन, मंत्रालय, नई दिल्ली कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, मंत्रालय, नई दिल्ली एवं अजय कुमार, उप संचालक, केन्द्रीय उर्वरक गुण नियंत्रण एवं प्रशिक्षण संस्थान, फरीदाबाद द्वारा उप संचालक कृषि संदीप कुमार भोई, संचालनालय कृषि के प्रतिनिधि डॉ. सुमित सोरी तथा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सह उर्वरक निरीक्षक, दुर्ग की उपस्थिति में जिले के 03 विक्रय प्रतिष्ठानों का विगत 24 जुलाई 2025 को औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कोई भी गंभीर अनियमितताएं नहीं पायी गई। निरीक्षण करते हुये विक्रय प्रतिष्ठान क्रमशः ग्रीन फील्ड, गंजपारा, दुर्ग से जिंक सल्फेट के 01 नमूना, अग्रवाल कमर्शियल दुर्ग से सिंगल सुपर फॉस्फेट के 02 नमूने तथा सुन्दरम एग्रोटेक, नया गंज मण्डी धमधा रोड, दुर्ग से बोरान 20: के 01 नमूना लिया जाकर तत्काल केन्द्रीय प्रयोगशाला, फरीदाबाद भेजा गया।

शहर के विकास के लिए रोडमैप तैयार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग का मुख्य उद्देश्य शहरों का योजनाबद्ध विकास करना है। जिसके मंशानुरूप शहर विकास योजना (सिटी डेवलपमेंट प्लान) नगर पालिक निगम भिलाई शहर हेतु तैयार की जा रही है । शहर विकास योजना किसी शहर के भावी विकास के लिए एक महत्वपूर्ण रोडमैप है।

यह योजना शहर के वर्तमान स्वरूप का विश्लेषण करती है, भविष्य की जरूरतों का अनुमान लगाती है, और विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए रणनीतियों और नीतियों की रूपरेखा तैयार करती है। यह योजना शहर के सुनियोजित विकास को सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है।

नगर निगम भिलाई के निगम सभागार में शहर विकास योजना के संबंध में आयुक्त राजीव कुमार पांडेय द्वारा 30 जून को बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में अधीक्षण अभियंता दीपक जोशी द्वारा सिटी डेवलपमेंट का विस्तृत प्लान प्रस्तुत किया गया था। माननीय महापौर, सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि, नेता प्रतिपक्ष, सम्मानित पार्षदगण, समाजसेवी एवं शहर के आम नागरिकों से मार्गदर्शन एवं सुझाव प्राप्त किया गया था। साथ ही जोन कार्यालय में कार्य के औचित्य सहित सुझाव आमंत्रित किया गया था। सिटी डेवलपमेंट प्लान के संबंध में नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव एवं संचालक महोदय द्वारा वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक ली गई है।

मुख्य अभियंता एवं प्रभारी आयुक्त भागीरथी वर्मा के अध्यक्षता में दिनांक 23.7.25 को समीक्षा बैठक बुलाई गई द्य जिसमें शासन से दिए गए निर्देशों के अनुरूप अभिलंब सीडीपी निर्माण कर प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया है। सिटी डेवलपमेंट प्लान के संबंध में दिए गए निर्देशों के परिपालन में संबंधित जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उप अभियंता को निर्देशित किया गया है । सोमवार तक अनिवार्य रूप से जोन वाइज फाइनल शहर विकास कार्य का रोड मैप तैयार किया जाएगा । दिनांक 28/07/25 समय दोपहर 12 बजे तक परियोजना शाखा में जमा करने पश्चात 3:00 बजे मुख्य अभियंता कक्ष में उपस्थित होंगे, जिससे सीडीपी को अंतिम रूप दिया जा सकेगा।

शहर विकास कार्य में मुख्य रूप से मार्गों के चौड़ीकरण, रोड विस्तारीकरण, साइंस सिटी का निर्माण, रिंग रोड का निर्माण, स्विमिंग पूल का निर्माण, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, छोटे एवं बड़े नालों का निर्माण, सौंदर्यीकरण के कार्य, बेहतर सफाई व्यवस्था, वाटर हार्वेस्टिंग सहित तड़ित चालक एवं अन्य विकास कार्य शामिल हैं। किसी भी शहर के लिए यह अनिवार्य है कि वह उसके भावी विकास के लिए सिलसिलेवार सोचे और यह निर्धारित करे कि उसका भावी स्वरूप कैसा होना चाहिए।

प्रोपेन प्लांट-2 में आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रोपेन प्लांट-2 में 26 जुलाई 2025 को प्रातः 11:00 बजे एक आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य आपदा जैसी आकस्मिक परिस्थितियों में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया की तैयारियों को परखना था। यह मॉक ड्रिल वैधानिक दिशा-निर्देशों एवं विभागीय प्रोटोकॉल के अनुरूप आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों के बीच आपसी तालमेल और प्रतिक्रिया क्षमताओं का मूल्यांकन किया गया।

प्रोपेन प्लांट-2 एक संवेदनशील क्षेत्र है, जहां 225 टन क्षमता वाले दो प्रोपेन टैंक स्थापित हैं। मॉक ड्रिल की परिकल्पित स्थिति के अनुसार, प्रोपेन अनलोडिंग एरिया में सफाई कार्य के दौरान प्रोपेन गैस का रिसाव हुआ, जिससे आग लग गई और एक कर्मचारी उसकी चपेट में आ गया। सहकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उस कर्मचारी को सुरक्षित बाहर निकाला और आवश्यक प्राथमिक उपचार प्रदान किया। साइट इंचार्ज डी.पी. सिंह ने तत्काल शिफ्ट इंचार्ज अनंत किस्कू को सूचित किया, जिन्होंने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्य महाप्रबंधक (उपयोगिताएँ) जे.पी. सिंह को सूचित किया। इसके बाद प्रोपेन प्लांट-2 कंट्रोल रूम में मौजूद सहकर्मी को आपातकालीन सायरन बजाने एवं सभी आपातकालीन एजेंसियों को सूचित करने का निर्देश दिया गया।

इस अभ्यास में सहायक महाप्रबंधक (प्रोपेन प्लांट-2) आर.के. चंद्रा, सहायक प्रबंधक अदावत नागेन्धर सहित सीआईएसएफ यूनिट, अग्निशमन विभाग. सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग, सिविल डिफेंस, मानव संसाधन विभाग, पर्यावरण प्रबंधन विभाग, एमएमपी-1 के अधिकारी एवं कर्मचारीगण सक्रिय रूप से शामिल हुए। स्थिति पर पूर्ण नियंत्रण प्राप्त होने के पश्चात ऑल क्लियर सायरन 11:30 बजे बजाया गया। मॉक ड्रिल के समापन पर मुख्य महाप्रबंधक जे.पी. सिंह द्वारा समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी एजेंसियों की तत्परता, समन्वय एवं प्रभावशीलता की सराहना की गई और उनका आभार व्यक्त किया गया।

विधायक यादव के पहल से बन रहा डोमशेड जल्द ही जनता को मिलेगी सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए डोमशेड निर्माण कार्य तेजी से जारी है। विधायक गजेन्द्र यादव की सतत पहल एवं प्रयासों से यह विकास कार्य संभव हो सका है। शासन से प्राप्त स्वीकृति के पश्चात डोमशेड निर्माण कार्य शुरू हो गया है, जो आगामी कुछ महीनों में पूर्ण होकर जनता को समर्पित किया जाएगा।

डोमशेड बनने से वार्डवासियों को धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और सार्वजनिक आयोजनों के लिए एक सुरक्षित और सुसज्जित स्थल उपलब्ध होगा। विधायक गजेन्द्र यादव ने कहा कि डोमशेड के साथ-साथ आयोजनों के लिए मंच भी बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन के चलते संभव हुआ है। भाजपा सरकार बनने के बाद छत्तीसगढ़ विकास के नये आयाम गढ़ रहा है और दुर्ग विधानसभा इसका प्रमाण है। उन्होंने बताया कि पिछले डेढ़ वर्ष में दुर्ग को कई करोड़ रुपये की सौगात मिली है, जिनका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, अधोसंरचना सहित अन्य आवश्यक क्षेत्रों में हो रहा है। विधायक गजेन्द्र यादव ने यह भी बताया कि इन कार्यों के साथ-साथ अन्य नागरिक सुविधाओं जैसे—सड़क निर्माण, ड्रेनेज सुधार, स्ट्रीट लाइट्स, सामुदायिक भवनों का उन्नयन, आदि पर भी कार्य प्रगति पर है। उन्होंने सभी वार्डवासियों को आश्वस्त किया कि हर नागरिक की सुविधा और सम्मान हमारी प्राथमिकता है।

भुइयां रिकॉर्ड शुद्ध रखने विशेष अभियान चलाने कलेक्टर ने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कल तहसील कार्यालय दुर्ग में आयोजित बैठक में राजस्व अधिकारियों, राजस्व निरीक्षकों एवं पटवारियों को भुइयां रिकॉर्ड शुद्ध रखने हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में लंबित प्रकरणों जैसे खसरा संकलन, विलोपन, शून्य रकबा, नक्शा बटांकन, स्वतः नामांतरण, डीएससी सत्यापन, कृषक पंजीयन आदि विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण करने सख्त निर्देश दिए। उन्होंने बड़े पैमाने में लंबित नक्शे के बटांकन करने विशेष अभियान चलाने राजस्व निरीक्षक, पटवारियों को लक्ष्य दिए। उन्होंने यह भी कहा कि डायवर्सन के बाद जिन भूमिस्वामियों ने अब तक निर्धारित राशि जमा नहीं की है, उनसे वसूली हेतु भी सघन अभियान चलाया जाए।

करोड़ों रुपये की डायवर्सन राशि अब भी लंबित है। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि बड़े बकायादारों को चिन्हित कर उनसे वसूली में तेजी लाई जाए।

बैठक में अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग हरवंश मिरी, भू-अभिलेख शाखा प्रभारी लता उर्वशा, अधीक्षक भू-अभिलेख अजित चौबे, तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता, क्षमा यदु, हुलेश्वर खूंटे, ढाल सिंह बिसेन, वासु मित्र दीवान, सहित सभी राजस्व निरीक्षक, पटवारी एवं भुइयां ऑपरेटर शिप्रा सिंह उपस्थित रहे।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के तहत साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी आर. के. जाम्बुलकर एवं अजय कुमार साहू के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग दुर्ग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत आदिम जाति कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित आर्यभट्ट विज्ञान एवं वाणिज्य शिक्षण केंद्र (विज्ञान विकास केंद्र) में साईबर सुरक्षा, जागरूकता एवं व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा, ऑनलाईन फ्रॉड और सोशल मीडिया की सावधानी के विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पुलिस विभाग से डॉ. संकल्प राय (स्ट्ठ) नोडल अधिकारी साइबर सेल, दुर्ग द्वारा छात्राओं को ऑनलाइन सुरक्षा स्ट्रांग पासवर्ड बनाने, द्वि-खाते की उपयोगिता, बायोमैट्रिक पासवर्ड, मोबाईल सॉफ्टवेयर को समय-समय पर अपडेट करने के फायदे, साईबर बुलिंग, साईबर फिशिंग, हनी ट्रैप, डिजिटल अरेस्ट, मैट्रीमोनियल वेबसाइट, डेटिंग एप्स जिसमें युवा पीढ़ी को से प्रेम प्रसंग के माध्यम से आर्थिक क्षति पहुंचायी जाती है, के बारे में विस्तार से बताया।

माफिंग स्कैम जिसमें आसानी से किसी व्यक्ति के चेहरे को दूसरे व्यक्ति शरीर में फिट किया जा सकता है एवं म्यूल एकाउंट जैसे साईबर क्राइम से छात्राओं को सतर्क किया। साईबर क्राईम से संबंधित विभिन्न वेबसाइट stopncii.org.cybercrime.gov.in, सायबर हेल्प लाइन नंबर 1930 की जानकारी दी गई।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा छात्राओं को विभागीय जानकारी दी गई। इस कार्यकम में साइबर सेक्युरिटी एक्सपर्ट आरिफ एच. खान , विज्ञान विकास केंद्र की प्रमुख उर्मिला ओझा, महिला सशक्तिकरण केंद्र से विनिता गुप्ता जिला मिशन समन्वयक, लक्ष्मीकांत यादव जेंडर विशेषज्ञ, शिल्पी उपाध्याय वित्तीय साक्षरता समन्वयक, नारायण सोनी डीईओ, चंद्र प्रकाश पटेल जिला समन्वयक चाईल्ड लाईन, सखी से असंति साहू केंद्र प्रशासक, कविता डोरले काउंसलर, आईसीपीएस से सीता कन्नौजे, श्रद्धा एवं पैरामेडिकल स्टाफ पेरालिगल कार्मिक उपस्थित रहें।

बीएसपी के सिंटरिंग प्लांट-3 की ओपन गैन्ट्री क्रेन का सफल नवीनीकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के सिंटरिंग प्लांट-3 में स्थित ओपन गैन्ट्री क्रेन के नवीनीकरण कार्य का औपचारिक शुभारंभ दिनांक 25 जुलाई 2025 को कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी ए. के. दत्ता, मुख्य महाप्रबंधक एस. वर्गीस, तथा एसपी-3, एसपी-2 और ओएचपी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्मिकगण उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि यह 5 टन क्षमता वाली ओपन गैन्ट्री क्रेन वर्ष 2002 में सिंटरिंग मशीन-1 के आरंभिक चरण में स्थापित की गई थी। इसका उपयोग क्षेत्रीय मरम्मत कार्यशाला में मरम्मत किए गए महंगे पुर्जों एवं उपभोग्य सामग्रियों के भंडारण, स्टैकिंग एवं स्थानांतरण के लिए किया जाता था। किन्तु बीते 12 वर्षों से यह क्रेन निष्क्रिय पड़ी थी और खुले में अनुपयोगी अवस्था में थी। चारों ओर स्क्रैप, कीचड़ एवं मलबे से घिरा यह क्षेत्र एक चुनौती बन चुका था, परंतु हाल ही में आयोजित एक समर्पित हाउसकीपिंग अभियान के दौरान यहाँ कई महत्वपूर्ण वस्तुओं की पहचान की गई।

इस महत्त्वपूर्ण परिसंपत्ति को पुनर्जीवित करने की दिशा में महाप्रबंधक आई. वी. रमना के नेतृत्व में अप्रैल 2025 के मध्य में पुनरुद्धार परियोजना आरंभ की गई। परियोजना में क्रेन की यांत्रिक एवं विद्युत प्रणाली की मरम्मत के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र का समग्र कायाकल्प भी शामिल था, जो लगभग 15 वर्षों से अनुपयोगी था।

क्रेन के पुनरुद्धार कार्य में होइस्ट प्रणाली, एलटी एवं सीटी यांत्रिकी, नियंत्रण पैनल का पुन:नियोजन तथा नई विद्युत केबलों की स्थापना सम्मिलित रही। सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने हेतु क्रेन का भार परीक्षण एवं संरचनात्मक मूल्यांकन किया गया। इसके साथ ही पुराने डेक प्लेटों से क्षेत्र की बाड़बंदी, लगभग 40 ट्रक धातु स्क्रैप का निष्कासन, पुर्जों एवं उपभोग्य सामग्रियों के लिए नए स्टैंड का निर्माण, एलडी स्लैग से समतलीकरण, तथा पहुँच मार्ग की सफाई जैसे कार्य भी सफलतापूर्वक किए गए। सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा क्षेत्र में सौंदर्यवर्धन हेतु पेंटिंग कार्य भी किया गया।

यह समस्त कार्य शून्य-दुर्घटना के साथ पूर्ण हुआ, जिसमें उप महाप्रबंधक (यांत्रिक) एम. यू. राव, वरिष्ठ प्रबंधक (यांत्रिक) केवल साहू, उप प्रबंधक (यांत्रिक) दिनेश मानिकपुरी, सहायक महाप्रबंधक (विद्युत) दीपक गुप्ता, सहायक महाप्रबंधक (विद्युत) एस. सी. साहू, उप महाप्रबंधक (संचालन) एस. के. सत्पथी, उप प्रबंधक (संचालन) आर. एल. साहू, एवं वरिष्ठ प्रबंधक (यांत्रिकी) जितेश शाहनी सहित टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

मेरा गांव मेरी पहचान योजना के तहत रायपुर में एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

रायपुर। सभी विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं को दूरस्थ क्षेत्रों के अंतिम घर तक पहुँचाने और जिले के हर गांव को विशिष्टता के साथ आदर्श ग्राम बनाने तथा उनकी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक पहचान को संजोने के उद्देश्य से रायपुर जिला प्रशासन द्वारा मेरा गांव मेरी पहचान योजना शुरू की गई है। योजनांतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला रेडक्रॉस सभा कक्ष, कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित की गई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के नेतृत्व में इस अभिनव योजना की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य ग्रामों की छुपी हुई विशेषताओं को उजागर कर उन्हें एक विशिष्ट पहचान दिलाना है। अलग-अलग विभाग द्वारा न सिर्फ योजनाओं का लाभ अंतिम हितग्राही तक पहुँचाया जाएगा, इसके साथ ही किसी एक या एक से अधिक ग्राम का चयन कर उसे विशेष तौर पर एक पहचान प्रदान करने की कोशिश की जाएगी जैसे कृषि विभाग द्वारा किसी ग्राम को पूर्ण दलहन, तिलहन ग्राम या महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किसी ग्राम को पूर्णत: कुपोषण मुक्त बनाना, अन्य विभागों द्वारा किसी ग्राम में ग्रामीणों को किसी विशिष्ट योजना के माध्यम से लाभान्वित करना। इस योजना के तहत जिले के 78 गांवों का चयन किया गया है।

कार्यशाला के दौरान कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा, हमें गांवों की अनूठी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विशेषताओं को पहचान कर उन्हें संरक्षित करना है, शासकीय भवनों में आवश्यक सुधार करना तथा इसके साथ ही गांवों को नई तकनीकों से जोड़ना भी हमारा लक्ष्य है, ताकि ग्रामीण जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पात्र ग्रामीण को राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, शिक्षा, वृद्धावस्था पेंशन, जाति व निवास प्रमाण पत्र जैसी योजनाओं का लाभ समय पर और पारदर्शिता के साथ मिले।

इस योजना के अंतर्गत जिन ग्रामीणों ने किसी क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त की है — जैसे कृषि में नवाचार, शासकीय पुरस्कार से सम्मानित इत्यादि, उनकी पहचान और जानकारी भी सार्वजनिक की जाएगी, जिससे समाज प्रेरित हो। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राजधानी रायपुर में लगेगी शहीद कौशल यादव की भव्य मूर्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत माता के सच्चे सपूत छत्तीसगढ़ महतारी के लाल शहीद कौशल यादव की राजधानी शहर रायपुर के शहीद कौशल यादव चौक काली माता मंदिर के सामने अगले एक माह के भीतर रायपुर नगर पालिक निगम के माध्यम से भव्य मूर्ति चौक का सौंदर्गीकरण करते हुए स्थापित की जायेगी। इस संदर्भ की घोषणा राज्य के उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरूण साव ने मंच से की। उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरूण साव ने निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे से अनुरोध किया एवं रायपुर नगर निगम के आयुक्त विश्वदीप को मंच से निर्देश दिया कि अगले एक माह के भीतर शहीद कौशल यादव चौक कालीमाता मंदिर के सामने रायपुर नगर पालिक निगम के माध्यम से शहीद कौशल यादव की पुण्य मधुर स्मृतियां चिरस्थायी बनाने चौक का सौंदर्यीकरण करते हुए शहीद कौशल यादव की भव्य मूर्ति चौक पर सादर ससम्मान स्थापित किया जाना सुनिश्चित किया जाये।

उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरुण साव ने कहा कि इसके लिए जितनी राशि की आवश्यकता होगी, वह राज्य नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के माध्यम से रायपुर नगर पालिक निगम को तत्काल उपलब्ध करवा दी जाएगी। भारत माता के सच्चे सपूत एवं छत्तीसगढ़ महतारी के लाल छत्तीसगढ़ के माटी पुत्र शहीद कौशल यादव की शहादत की पुण्य मधुर स्मृतियां चिरस्थायी बनाने भव्य मूर्ति स्थापना और चौक के सौंदर्यीकरण का कार्य शीघ्र रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा शहीद कौशल यादव चौक में किया जाये।

शहीद कौशल यादव के 26 वें शहादत दिवस शहीद दिवस पर रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग एवं जोन क्रमांक 4 द्वारा रखे गये पुष्पांजलि आयोजन में उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरूण साव ने कहा कि 25 जुलाई 1999 में कारगिल युद्ध में भारत माता के सच्चे सपूत और छत्तीसगढ़ महतारी के लाल राष्ट्र की सेवा करते हुए वीर गति को प्राप्त हुए इसके पूर्व शहीद कौशल यादव ने दुश्मन देश पाकिस्तान के 12 घुसपैठिये आंतकवादियों को मौत की नींद सुला दिया और भारत की कारगिल विजय की नींव वीर गति को प्राप्त होने के पूर्व रख दी। कारगिल युद्ध के बाद से भारतीय सेना की युद्ध कौशल क्षमता लगातार बढ रही है, एयर स्ट्राइक, सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर इसका जीवंत प्रमाण है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने दुश्मन देश पाकिस्तान के 9 आंतकी केन्द्रो को पूरी तरह से ध्वस्त करते हुए पाकिस्तान की सेना और आतंकवादियों को सबक सिखलाया।

उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरूण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के माटीपुत्र शहीद कौशल यादव नौजवानों के प्रेरणास्त्रोत हैं। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगर निगम रायपुर के तत्कालीन सभापति राज्य नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव एवं रायपुर नगर निगम के तत्कालीन महापौर रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी की शहीद कौशल यादव की शहादत को नमन करने काली माता मंदिर के सामने चौक का नामकरण शहीद कौशल यादव चौक रायपुर नगर निगम के माध्यम से करने एवं शहीद कौशल यादव की पुण्य मधुर स्मृतियां चिरस्थायी रखने शहीद की मूर्ति चौक में स्थापित करने और सौंदर्याकरण करने का निर्णय त्वरित रूप से लेने के तत्कालीन कार्य की सराहना की। उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरुण साव ने लिए गए निर्णय का यह कार्य शीघ्र एक माह के भीतर पूर्ण करवाने महापौर मीनल चौबे से अनुरोध किया एवं इस हेतु मंच से नगर निगम आयुक्त विश्वदीप को निर्देश दिये।

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने कहा कि शहीद कौशल यादव यादव समाज के सच्चे सपूत हैँ। शहीद कौशल यादव ना यादव समाज के, बल्कि समूचे राष्ट्र के गौरव सपूत हैँ। शहीद कौशल यादव की कारगिल युद्ध में देश सेवा करते हुए दी गयी शहादत का नागरिक युगों- युगों तक ससम्मान स्मरण करते रहेंगे। शहीद कौशल यादव ने वीरता पूर्वक युद्ध करते हुए दुश्मन देश पाकिस्तान की सेना की सबक सिखलाने का अद्भुत कार्य किया। छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने कहा कि शहीद कौशल यादव छत्तीसगढ़ राज्य के यादव समाज के गौरव हैँ। शहीद किसी समाज विशेष के नहीं होते हैँ, बल्कि वे पूरे राष्ट्र के गौरव पुरूष होते हैँ। संजय श्रीवास्तव ने कहा कि शहीद कौशल यादव चौक पर शहीद कौशल यादव की भव्य मूर्ति लगने से यहां से निकलने वाले प्रत्येक नागरिक को शहीद कौशल यादव के जीवन में राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणाशक्ति सहज प्राप्त हो सकेगी।

उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरूण साव ने नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे, रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, सभापति सूर्यकांत राठौड़, नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, जोन 4 अध्यक्ष मुरली शर्मा, जोन 5 अध्यक्ष अम्बर अग्रवाल, एमआईसी सदस्य प्रतिनिधि संतोष संजना निहाल, प्रदेश यादव समाज अध्यक्ष सुधीर यादव, प्रदेश यादव समाज महिला विंग की अध्यक्ष ममता यादव,यादव समाज के पदाधिकारी रोहित यादव, अनुप यादव, जनक यादव सहित बडी संख्या में नगर के विशिष्टजनों, गणमान्यजनों, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, नवयुवकों, आमजनों, रायपुर नगर निगम के अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, जोन 4 जोन कमिश्नर अरूण ध्रुव, सहायक अभियंता दीपक देवांगन, उप अभियंता हिमांशु चंद्राकर, निगम अधिकारियों, कर्मचारियों ने भारत माता के सच्चे सपूत छत्तीसगढ़ महतारी के लाल छत्तीसगढ़ के माटी पुत्र शहीद कौशल यादव का उनके 26 वें शहादत दिवस पर शहीद कौशल यादव चौक काली माता मंदिर के सामने पहुंचकर सादर ससम्मान नमन करते हुए उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण करते हुए आदरांजलि अर्पित की।

भारतीय गौ क्रांति मंच का हुआ संगठनात्मक विस्तार

11 जिलों में गौसेवकों की नियुक्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गौमाता की सेवा और संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय गौ क्रांति मंच के छत्तीसगढ़ प्रांत द्वारा 20 जुलाई को रायपुर स्थित बंजारी मंदिर गौशाला, गुरुकुल विद्यालय में एक ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्य के 11 जिलों में गौसेवकों की नियुक्ति की गई और संगठनात्मक विस्तार को धरातल पर उतारते हुए सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं।

कार्यक्रम में रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, बेमेतरा, राजनांदगांव, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, कोरबा, महासमुंद और धमतरी ज़िलों में गौसेवकों और गौ रक्षकों की नियुक्ति की गई। इन सभी जिलों में संगठन की स्थानीय इकाइयों का निर्माण कर गौ सेवा अभियान को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का संकल्प लिया गया। इस आयोजन में हरिभाई जोशी, मनमंत शर्मा, प्रेमशंकर गौतिया और गोपालजी सुलतानिया बतौर अतिथि शामिल हुए और उन्होंने गौ सेवा के महत्व और इसकी सामाजिक जिम्मेदारी पर विचार साझा किए।

कार्यक्रम की अगुवाई प्रांत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल और प्रांत महामंत्री राजा पांडेय ने की। इनके साथ नामदेव राय (प्रांत महामंत्री), राकेश केसारवानी (प्रांत उपाध्यक्ष), अमरदीप शर्मा (गौ रक्षा संयोजक), प्रीतम साहू (गौ सेवा संयोजक), सत्येन्द्र सिंह परमार (प्रवक्ता) और नितेश तिवारी (मीडिया प्रभारी) की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि शेष बचे जिलों में भी नियुक्तियाँ पूर्ण हो चुकी हैं, जिनकी औपचारिक घोषणा जल्द की जाएगी। कार्यक्रम के समापन पर सभी पदाधिकारियों और नव-नियुक्त गौसेवकों ने यह संकल्प लिया कि वे गौमाता की सेवा और रक्षा को अपने जीवन का उद्देश्य मानकर निस्वार्थ भाव से सतत कार्य करेंगे। इस आयोजन ने छत्तीसगढ़ में गौ सेवा अभियान को नई ऊर्जा और संगठनात्मक धार प्रदान की है, जिसकी गूंज प्रदेश भर में सुनाई दे रही है।

रेरा ने लोविना कोर्ट्स प्रोजेक्ट की खरीदी-बिक्री पर लगाई रोक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (सीजी रेरा) ने बिलासपुर स्थित लोविना कोर्ट्स परियोजना में भूखंडों और मकानों की खरीदी-बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का अंतरिम आदेश जारी किया है। यह कार्रवाई रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 की धारा 4(2)(1)(क) के उल्लंघन के पर की गई है।

उल्लेखनीय है कि इस धारा के तहत प्रमोटर को प्रोजेक्ट के अंतर्गत आवंटियों से प्राप्त कुल राशि का कम से कम 70 प्रतिशत भाग एक अलग बैंक खाते में रखना अनिवार्य है। इस राशि का उपयोग केवल निर्माण कार्य और भूमि की लागत जैसे निर्धारित उद्देश्यों के लिए ही किया जा सकता है। यह व्यवस्था घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा और धन के अनुचित उपयोग को रोकने के लिए की गई है। प्राधिकरण ने पाया कि लोविना कोर्ट्स प्रोजेक्ट के प्रमोटर द्वारा इस नियम का उल्लंघन किया गया है, जिससे वित्तीय पारदर्शिता पर सवाल खड़े हुए हैं। परिणामस्वरूप, सीजी रेरा ने परियोजना के अंतर्गत किसी भी प्रकार की नई खरीद-फ्रोख्त, पंजीयन या लेन-देन पर रोक लगा दी है।

सीजी रेरा के अनुसार यह आदेश तब तक प्रभावी रहेगा जब तक कि प्रमोटर द्वारा सभी दस्तावेज प्रस्तुत कर उल्लंघनों का समाधान नहीं किया जाता और प्राधिकरण द्वारा निर्धारित शर्तों की पूर्ति नहीं कर दी जाती। यह त्वरित कार्रवाई रेरा की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है जिसके तहत वह घर खरीदारों की पूंजी की सुरक्षा, निर्माण प्रक्रिया में पारदर्शिता और प्रमोटरों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सतर्कता से कार्य कर रहा है। इस सख्त कदम से अन्य डेवलपर्स को भी यह स्पष्ट संदेश मिलेगा कि रेरा के प्रावधानों का पालन अनिवार्य है और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विकास की गंगा बहाने में निगम अधिकारियों-कर्मचारियों की रही अहम भूमिका-महापौर

नगर निगम रायपुर से जनवरी से जून तक के मध्य सेवानिवृत्त 55 निगम कर्मचारियों का सामूहिक सेवा सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम अधिकारी कर्मचारी एकता संघ के तत्वावधान में नगर निगम मुख्यालय महात्मा गांधी सदन के चतुर्थ तल निगम सामान्य सभा सभागार में रखे गये आयोजन में रायपुर नगर निगम से जनवरी से जून 2025 के मध्य सेवानिवृत्त 55 निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सेवाओ का सामूहिक सम्मान महापौर मीनल चौबे के मुख्य आतिथ्य, सभापति सूर्यकांत राठौड़ की अध्यक्षता, आयुक्त विश्वदीप, सामान्य प्रशासन एवं विधि विधायी कार्य विभाग अध्यक्ष डॉ. अनामिका सिंह, जोन 5 जोन अध्यक्ष अम्बर अग्रवाल के विशेष आतिथ्य और मंच पर अपर आयुक्त कृष्णा खटीक, विनोद पाण्डेय, जोन 8 कमिश्नर राजेश्वरी पटेल, कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष अरूण दुबे, नगर निगम अधिकारी कर्मचारी एकता संघ अध्यक्ष प्रमोद जाधव की उपस्थिति में किया गया। सेवानिवृत्त निगम अधिकारियों, कर्मचारियों को अधिकारी कर्मचारी एकता संघ द्वारा श्रीफल शॉल, स्मृति चिन्ह प्रदत्त कर पुष्पहार पहनाकर उनकी निगम को दी सेवाओं का सम्मान किया गया। सेवानिवृत्ति पर 55 निगम कर्मचारियों का सामूहिक सेवा सम्मान आयोजन मंच पर दीप प्रज्जवलन कर महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौड़, सामान्य प्रशासन एवं विधि

■ सेवानिवृत्ति पर कर्मचारी को सभी स्वत्वों का भुगतान हो एवं निगम उन्हें सम्मान करके उनके घर तक छोड़ने व्यवस्था करें-सभापति सूर्यकांत राठौड़

विधायी कार्य विभाग अध्यक्ष डॉ. अनामिका सिंह, नगर निगम अधिकारी कर्मचारी एकता संघ अध्यक्ष प्रमोद जाधव, नगर निगम कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष अरूण दुबे ने किया।

महापौर मीनल चौबे ने नगर निगम अधिकारी कर्मचारी एकता संघ अध्यक्ष प्रमोद जाधव एवं सभी पदाधिकारियों को आयोजन पर बधाई दी एवं उन्हें अधिकारियों, कर्मचारियों की मांगो हेतु लगातार प्रयास करने पर सराहा। महापौर ने कहा कि निगम रायपुर के अधिकारियों कर्मचारियों की जो भी जायज मांगे है उन्हें पूर्ण करवाने वे हर संभव प्रयास करेंगी। महापौर ने कहा कि व्यवस्था आगे की जायेगी कि नगर निगम रायपुर की सेवा से सेवानिवृत्त अधिकारियों, कर्मचारियों को ससम्मान सहित उनके निवास तक नगर निगम प्रशासन सादर छोड़ने की व्यवस्था करें। साथ ही उनके स्वत्वो का भुगतान समय पर किया जाये। महापौर ने कहा कि रायपुर बड़ी तेजी के साथ विकसित हो रहा है। रायपुर में जो विकास की गंगा बही है उसमें

नगर निगम रायपुर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अहम भूमिका है। महापौर ने कहा कि सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी अपने अनुभव के आधार पर नगर निगम में अच्छे कार्य करने सुझाव देने आगे आये। उनका नगर निगम में सदैव स्वागत है।

सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने कहा कि रायपुर नगर निगम में यह पुरानी परंपरा रही है कि सेवानिवृत्त अधिकारियों, कर्मचारियों के स्वत्वों का भुगतान उनके सेवानिवृत्ति दिवस पर किया जाता रहा है और उनका सम्मान नगर निगम प्रशासन की ओर से किया जाता है। उन्होने कहा कि नगर निगम आयुक्त आई.ए.एस. अधिकारी विश्वदीप एक संवेदनशील प्रशासनिक अधिकारी है। उन्होने उनके अनुरोध पर तत्काल निर्देशित किया कि निगम मुख्यालय में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति दिवस पर सम्मान कार्यक्रम निगम सामान्य प्रशासन विभाग रखेगा एवं जोनो में कार्यरत अधिकारियों कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर सम्मान जोन कार्यालय द्वारा किया जायेगा। सभापति सूर्यकांत राठौड ने कहा कि नगर निगम से सेवानिवृत्त अधिकारियों कर्मचारियों को सम्मान करने सहित सेवानिवृत्ति दिवस पर सादर उनके घर तक छोड़कर आने की व्यवस्था नगर निगम प्रशासन को करनी चाहिए। इससे अधिकारी कर्मचारी सेवानिवृत्ति पर विशेष सम्मानित अनुभव कर सकेंगे।

आयुक्त विश्वदीप ने कहा कि सेवानिवृत्ति पर रायपुर नगर निगम के अधिकारियों कर्मचारियों का सम्मान करना एवं उनके स्वत्वों का भुगतान करना नगर निगम प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होने कहा कि वे जब से नगर निगम आये है तब से यह देख रहे है कि नगर निगम रायपुर के अधिकारी एवं कर्मचारी वरिष्ठ से कनिष्ठ श्रेणी तक काफी मेहनत से काफी अच्छा कार्य करते है। इससे राजधानी रायपुर शहर में प्रशासन, शासन की नगर निगम में शहर में छबि बनती है। राजधानी होने के कारण त्वरित प्रशासनिक दायित्वो का निर्वहन रायपुर नगर निगम अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा किया जाना शासन प्रशासन स्तर पर वास्तव में सराहनीय माना जाता है। आगे भी इसी प्रकार का दायित्व निर्वहन सबको

■ सेवानिवृत्ति पर कर्मचारी का सम्मान हो एवं उसके स्वत्वों का भुगतान हो यह नगर निगम प्रशासन की जिम्मेदारी है- आयुक्त विश्वदीप

मिलकर करना है। आयुक्त ने सेवानिवृत्त अधिकारियों कर्मचारियों को सेवाओ हेतु सराहते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की एवं कहा कि वे नगर निगम में आकर जब इच्छा करें अपने अनुभवो का लाभ सुझाव देकर दे सकते है। सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी अपने जीवन का आनंद ले एवं अपने परिवारजनो के साथ समय बिताए और समाज व राष्ट्र के लिए अच्छे कार्य कर योगदान दें। यह नगर निगम में कार्यरत अधिकारी कर्मचारी सेवानिवृत्त अधिकारियों कर्मचारियों से प्रेरणा ले एवं अच्छा कार्य करें जिससे उनका भी जीवन में आगे अच्छा सम्मान अच्छे सेवा कार्यों हेतु हो ।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों में राजेन्द्र वर्मा, अभय श्रीवास्तव, प्रीतम सिंह कोटटे, विमला, रानी, नित्या, शीला सुभांगनी, बीसो बाई यादव, कमला, काशी, वल्लम शर्मा, राजेश करडभुजे, हुमसिंग गायकवाड, परसराम सिन्हा, अजय, शकुन, गजानंद गोदरे, चंद्रकला, कृष्णा, पदमा, बरातु निषाद, गोवर्धन साहू, लक्ष्मी, चन्द्रहास ठाकुर, बसंत राम कुर्रे, लीला, अंबिका सुनिता, सकीना, दिलीप, हरिशंकर, गौरी, छीता कुसुम बनमाली आशा बाई, चंद्रायन सिंह ठाकुर, सुनील सिंह रघुवशी, दुर्गेश यादव, आनंद शर्मा, बाहरू धीवर, अशोक गिरी गोस्वामी, शकुतला, निर्मला, उमाशंकर त्रिपाठी, योगीराज वाल्दे, प्रमोद शर्मा, ए.के. हालदार, विमल शर्मा, अमर सिंह डहरिया, मोहम्मद अमीन, विजय सिंह ठाकुर, भरत वर्मा, जगदेश्वर मेहरा सम्मिलित है। जिनकी सेवाओं का आज नगर निगम रायपुर अधिकारी कर्मचारी एकता संघ द्वारा सम्मान किया गया। निगम सामान्य प्रशासन एवं विधि विधायी कार्य विभाग अध्यक्ष डॉ. अनामिका सिंह ने सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों कर्मचारियों को सेवाओं हेतु सराहा एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होने कहा कि नगर निगम की गतिविधियां शहर के प्रत्येक नागरिक हेतु जन्म से लेकर मृत्यु और विवाह प्रमाण पत्र तक देने की रहती है। उन्होने सुझाव दिया कि सेवानिवृत्त अधिकारियों कर्मचारियों को अपने अनुभव एवं समय का सदूपयोग समाज के लिए अच्छे कार्य करते हुए करना चाहिए। कार्यक्रम को नगर निगम अधिकारी कर्मचारी एकता संघ के अध्यक्ष प्रमोद जाधव, पूर्व अध्यक्ष नगर निगम कर्मचारी संघ अरूण दुबे, संघ की उपाध्यक्ष स्वाति साहू ने भी संबोधन दिया। कार्यक्रम का सम्पूर्ण संचालन रायपुर स्मार्ट सिटी के पूर्व महाप्रबंधक आशीष मिश्रा ने किया।

अखिल भारतीय विद्युत ब्रिज प्रतियोगिता में जीते 3 पदक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 47वीं अखिल भारतीय विद्युत ब्रिज प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी की टीम ने 3 पदक हासिल किये। विद्युत कर्मियों ने आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में आयोजित दो दिवसीय ब्रिज प्रतियोगिता मे मास्टर्स प्लेयर (पेयर) श्रेणी मे रजत पदक,टीम इवेंट श्रेणी में कांस्य एवं प्रोग्रेसिव श्रेणी में भी कांस्य पदक हासिल करनें मे सफल हुये। इस तरह तीनों श्रेणियों मे राष्ट्रीय स्तर पर स्थान प्राप्त करने पर पॉवर कंपनी अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने खिलाड़ियों को बधाई दी। इस उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के पदाधिकारीगण अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एसके कटियार एवं महासचिव एमएस चैहान ने टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस स्पर्धा में देवलाल साहू, पंकज, अमित देवांगन, शिवेश मिश्रा, दिनेश कुमार देवांगन, हरीश कुमार ने भाग लिया। कप्तान एवं कोच पंकज चैधरी ने इस सफलता का श्रेय कंपनी प्रबंधन एवं केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद को दिया। टीम के मैनेजर प्रशांत कुमार उरॉव थे।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

मुग्धा गोडसे : मिस इंडिया सेमीफाइनलिस्ट से फैशन का मॉडल अवतार

बॉलीवुड की चमकती दुनिया में अपनी अदाकारी और बेबाक अंदाज से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मुग्धा गोडसे हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। 'फैशन' और 'हीरोइन' जैसी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली मुग्धा, मिस इंडिया सेमीफाइनलिस्ट रहने के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। 14 साल बड़े अभिनेता राहुल देव के साथ लिव-इन रिलेशनशिप हो या उनका बेबाक अंदाज, वह लाइमलाइट में छाई रहती हैं।

बॉलीवुड की चमक-दमक और ग्लैमर की दुनिया में अपनी खास पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस मुग्धा गोडसे का आज 26 जुलाई को जन्मदिन है। अपने अभिनय, मॉडलिंग करियर और निजी जिंदगी को लेकर हमेशा चर्चा में रहने वाली मुग्धा ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम हासिल किया है। मिस इंडिया सेमीफाइनलिस्ट रह चुकीं मुग्धा की जिंदगी और करियर की कहानी किसी प्रेरणा से कम नहीं है।

पर्सनल लाइफ के भी रहे चर्चे

26 जुलाई 1986 को पुणे में जन्मीं मुग्धा गोडसे ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग की दुनिया से की थी। साल 2002 में उन्होंने मिस ग्लैडरैग्स मेगा मॉडल का खिताब अपने नाम किया, जिसने उनके लिए ग्लैमर की दुनिया के दरवाजे खोल दिए। इसके बाद साल 2004 में वह मिस इंडिया प्रतियोगिता में सेमीफाइनलिस्ट रहीं। मॉडलिंग में सफलता के बाद मुग्धा ने बॉलीवुड का रुख किया और साल 2008 में मधुर भंडारकर की फिल्म 'फैशन' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की।

इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के साथ उनकी जोड़ी और उनके किरदार ने दर्शकों का दिल जीत लिया। मुग्धा ने फिल्म में एक सशक्त मॉडल का किरदार निभाया, जिसे क्रिटिक्स और दर्शकों ने खूब सराहा। इसके बाद मुग्धा ने 'ऑल द बेस्ट', 'हीरोइन', 'बेजुबान इश्क' और जेल' जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि, उनकी ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बहुत बड़ा कमाल नहीं दिखा पाईं, लेकिन मुग्धा के अभिनय और स्क्रीन प्रजेंस को हमेशा सराहा गया।

मुग्धा गोडसे की प्रोफेशनल लाइफ जितनी चर्चा में रही, उतनी ही उनकी पर्सनल लाइफ भी सुर्खियों में रही है। वह लंबे समय से बॉलीवुड अभिनेता राहुल देव के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में हैं। खास बात यह है कि राहुल, मुग्धा से उम्र में 14 साल बड़े हैं, लेकिन दोनों का रिश्ता इस उम्र के फासले को पूरी तरह से नजरअंदाज करता है। दोनों ने अपने रिश्ते को हमेशा खुलकर स्वीकार किया और एक-दूसरे के साथ अपनी बॉन्डिंग को लेकर कई मौकों पर बात की।

मुग्धा और राहुल की केमिस्ट्री न सिर्फ ऑफ-स्क्रीन, बल्कि ऑन-स्क्रीन भी देखने को मिली है। दोनों ने कई प्रोजेक्ट्स में साथ काम किया और उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। मुग्धा गोडसे न सिर्फ एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री और मॉडल हैं, बल्कि वह फिटनेस फ्रिक भी हैं। वह सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी वर्कआउट रूटीन और हेल्दी लाइफस्टाइल की झलकियां साझा करती हैं।

रैंप शो पर पहली 'हार' से लेकर बॉलीवुड में चमकने तक का सफर

कृति सेनन आज बॉलीवुड की चमकती हुई स्टार हैं, जिन्हें नेशनल अवॉर्ड जैसे बड़े सम्मान से नवाजा जा चुका है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस चमक के पीछे संघर्ष और जीवन के कई उतार-चढ़ाव भी हैं। इस सफलता के पीछे कई ऐसे पल छिपे हैं, जिन्होंने उनकी आंखों से आंसू भी छलका दिए थे। एक बार ऐसा भी पल आया था, जब कृति रैंप शो पर फूट-फूटकर रोने लगी थीं। यह घटना उनके करियर के शुरुआती दिनों की है, जब वह मॉडलिंग कर रही थीं और फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने की जद्दोजहद में थीं।

27 जुलाई 1990 को जन्मीं कृति सेनन एक मिडिल क्लास परिवार से आती हैं। उनके पिता चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और उनकी मां प्रोफेसर हैं। उनका बचपन से ही सपना फिल्मों में आने का था। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2014 में तेलुगु फिल्म 'नेनोक्कडाइन' से की थी, जिसमें उनके साथ साउथ इंडस्ट्री के सुपरस्टार महेश बाबू नजर आए थे। फिल्म को दर्शकों ने काफी सराहा। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा और फिल्म 'हीरोपंती' से डेब्यू किया। इसमें उनके साथ टाइगर श्रॉफ नजर आए थे। यह दोनों के लिए डेब्यू फिल्म थी। लोगों को कृति की परफॉर्मेंस काफी पसंद आई। यहां से उनका करियर धीरे-धीरे ऊंचाइयों की ओर बढ़ने लगा।

कृति ने 'रंगून', 'दिलवाले', 'राब्ता', 'बरेली की बर्फी', और 'लुका छुपी' जैसी फिल्मों में काम किया, लेकिन उनकी असली पहचान 2021 में आई फिल्म 'मिमी' से मिली। इस फिल्म में कृति ने एक सरोगेट मां का किरदार निभाया। इस फिल्म के लिए उन्हें नेशनल फिल्म अवार्ड मिला। कृति की सफलता के पीछे उनका कड़ा संघर्ष है। कृति ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनका पहला रैंप शो एक फार्महाउस हाउस में हुआ था, जहां गीली मिट्टी के कारण उनकी हील सैंडल फंस गई थीं।

यह जगह मॉडलिंग के लिए बिल्कुल आसान नहीं थी, जिसके चलते उनका यह अनुभव और भी चुनौतीपूर्ण बन गया। उस दौरान उनके कोरियोग्राफर उनसे इतने नाराज हुए कि वहां मौजूद सभी लोगों के सामने उन्हें फटकार लगाई, जो उस वक्त उनको काफी अपमानजनक महसूस हुआ और वह इससे इतनी आहत हुईं कि रैंप शो में ही रो पड़ीं। लेकिन इस घटना से कृति को और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा मिली। उन्होंने लगातार मेहनत करते हुए मॉडलिंग और एक्टिंग दोनों में अपनी जगह बनाने के लिए लगातार प्रयास किया। आज कृति सेनन बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने टाइगर श्रॉफ के साथ 'गणपत', शाहिद कपूर के साथ 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया', और अपने प्रोडक्शन हाउस के तहत पहली फिल्म 'दो पत्ती' जैसी फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजन किया। इसके अलावा, उन्होंने 'आदिपुरुष', 'भेड़िया', 'हम दो हमारे दो', 'शहजादा', और 'तेरे इश्क में' जैसी बेहतरीन फिल्में दी।

कलाकार गर्विता साधवानी ने अपने बाहर निकलने की अटकलों को खत्म किया

ये रिश्ता क्या कहलाता है भारतीय टेलीविजन पर सबसे लंबे समय तक चलने वाले शोज में से एक है और इसका प्रशंसक वर्ग बहुत बड़ा है। यह शो 15 सालों से भी ज्यादा समय से दर्शकों का दिल जीत रहा है और आज भी ऐसा ही कर रहा है। ये रिश्ता क्या कहलाता है में हाल ही में एक लीप आया है और सभी कलाकारों में से गर्विता साधवानी उर्फ रूही शो से गायब थीं। प्रशंसक उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हालाँकि, गर्विता ने पुष्टि की है कि वह शो में वापस नहीं आ रही हैं।

गर्विता साधवानी ने ये रिश्ता क्या कहलाता है छोड़ने की पुष्टि की अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर, गर्विता साधवानी ने एक लंबा नोट लिखकर अपने प्रशंसकों को ये रिश्ता क्या कहलाता है छोड़ने की जानकारी दी। शो में गर्विता ने समानांतर मुख्य भूमिका वाली रूही की भूमिका निभाई थी। शो में 7 साल का लीप आने के बाद, दर्शक रूही और उनके बेटे दक्ष को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। लेकिन अब, अभिनेत्री ने शो छोड़ने की पुष्टि कर दी है। गर्विता साधवानी ने लिखा, यह 'Yrkkh' से मेरे बाहर निकलने की पुष्टि करता है। रूही को आपके द्वारा दिए गए प्यार और स्वीकृति से अभिभूत हूँ - एक काल्पनिक किरदार जो इतना वास्तविक लगा। डेढ़ साल तक, मैंने अपना दिल और आत्मा लगाकर यथासंभव ईमानदार प्रदर्शन करने की कोशिश की। यह सबसे संपूर्ण सीखने का दौर था, मैं एक अभिनेता के रूप में, एक व्यक्ति के रूप में विकसित हुई हूँ और मैं इस जादुई यात्रा के लिए हमेशा आभारी रहूँगी।

नीलम गिरी ने रिमझिम बरसे बदरवा में किया रेन डांस, वीडियो पर फैंस ने लुटाया प्यार

भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस नीलम गिरी एक बार फिर अपने दिलकश अंदाज से सोशल मीडिया पर छा गई हैं। हाल ही में उनका नया गाना रिमझिम बरसे बदरवा रिलीज़ हुआ है, जिसमें उन्होंने बेमिसाल रेन डांस कर दर्शकों को दीवाना बना दिया है।

इस गाने में नीलम गिरी ट्रेडिशनल साड़ी में नजर आ रही हैं और उनके एक्सप्रेशंस व मूव्स ने दर्शकों के दिल जीत लिए हैं। यह गाना शिल्पी राज की आवाज़ में है और इसका म्यूजिक भी दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। रिलीज के कुछ ही घंटों में इस वीडियो को इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर हजारों व्यूज मिल चुके हैं।

सोशल मीडिया पर फैंस लगातार इस वीडियो पर कमेंट्स कर रहे हैं। किसी ने लिखा बेहतरीन प्रदर्शन तो कोई उन्हें भोजपुरी की रेन क्वीन बता रहा है। उनके डांस स्टेप्स और कैमरा के प्रति आत्मविश्वास ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वह इंडस्ट्री की सबसे ग्लैमरस और टैलेंटेड अभिनेत्रियों में से एक हैं।

रिमझिम बरसे बदरवा में नीलम गिरी का यह रेन डांस न केवल विजुअली अट्रैक्टिव है बल्कि म्यूजिकल लेवल पर भी पूरी तरह एंटरटेनिंग है। बारिश के बीच उनकी परफॉर्मेंस और रंग-बिरंगी साड़ी में उनका ट्रेडिशनल ग्लैमर लुक फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। भोजपुरी इंडस्ट्री में नीलम गिरी का यह वीडियो एक बार फिर यह साबित करता है कि वह सिर्फ एक एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि परफॉर्मेंस क्वीन भी हैं, जिनका हर मूव वायरल होने की ताकत रखता है।

वॉर 2 में नजर आएंगी आलिया भट्ट, एक्ट्रेस ने खुद दिया संकेत

ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर अभिनीत 'वॉर 2' का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है, जिसका बीते शुक्रवार को ट्रेलर रिलीज हुआ। अब फैंस को फिल्म के रिलीज होने का इंतजार है। लेकिन फिल्म रिलीज से पहले एक और बड़ी अपडेट आ रही है, जिसमें बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट बतौर कैमियो नजर आ सकती हैं। इसकी जानकारी उन्होंने खुद दी है।

आइए जानते हैं एक्ट्रेस ने क्या कहा। अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें उन्होंने आगामी फिल्म 'वॉर 2' का ट्रेलर शेयर किया है। स्टोरी के कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा, 'मजेदार, 14 तारीख को मेरे नजदीकी सिनेमाघरों में मिलते हैं।' इस कैप्शन में आलिया ने मुख्य कलाकारों ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर, कियारा आडवाणी और निर्देशक अयान मुखर्जी को भी टैग किया है। अभिनेत्री के कैप्शन से ये संकेत मिल रहा है कि आलिया भट्ट 'वॉर 2' के पोस्ट क्रेडिट सीन में बतौर कैमियो नजर आएंगी, जो उनकी आगामी स्पाई फिल्म 'अल्फा' की झलक होगी।

आलिया भट्टी की आगामी स्पाई फिल्म 'अल्फा', जो 25 दिसंबर 2025 को रिलीज होगी। इस फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। हालांकि, अब ये देखना दिलचस्प होगा कि 'वॉर 2' के रिलीज के दौरान आलिया कौन सा सरप्राइज देती हैं, क्योंकि एक्ट्रेस की इंस्टा स्टोरी से चर्चाएं तेज हो गई हैं। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी 'वॉर 2'' यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की छठी फिल्म है, जो 2019 की सुपरहिट फिल्म वॉर की अगली कड़ी है। यह फिल्म 14 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्लाजो जंपसूट को स्टाइल करते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान, लगेगा स्टाइलिश

प्लाजो जंपसूट एक ऐसा परिधान है, जो न केवल आरामदायक है, बल्कि आपको स्टाइलिश भी दिखाता है। इसे पहनकर आप किसी भी अवसर पर आकर्षक लग सकती हैं, चाहे वह पार्टी हो या ऑफिस का काम। सही एक्सेसरीज और कपड़ों का मेल करके आप अपने लुक को खास बना सकती हैं। आइए जानते हैं कि प्लाजो जंपसूट को कैसे स्टाइल किया जा सकता है ताकि आप हर मौके पर बेहतरीन दिखें।

सही रंगों का चयन करें

प्लाजो जंपसूट चुनते समय सही रंग का चयन बहुत जरूरी है। अगर आप ऑफिस जा रही हैं तो हल्के और शांत रंग जैसे बेज, ग्रे या काला चुनें। ये रंग पेशेवर दिखते हैं और हर मौके पर जचते हैं। वहीं पार्टी या खास अवसरों के लिए आप चमकीले रंग जैसे लाल, नीला या हरा चुन सकती हैं। इन रंगों से आपका लुक न केवल आकर्षक लगेगा, बल्कि आप सबसे अलग भी दिखेंगी।

फिटिंग का ध्यान रखें

प्लाजो जंपसूट की फिटिंग पर खास ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें कि यह आपकी बॉडी पर अच्छे से फिट हो ताकि आप आरामदायक महसूस करें और साथ ही स्टाइलिश भी दिखें। अगर जंपसूट ढीला हो तो उसे थोड़ा सिलवा लें ताकि वह आपकी बॉडी के हिसाब से फिट हो सके। सही फिटिंग से आपका लुक न केवल पेशेवर लगेगा, बल्कि आपको आत्मविश्वास भी देगा और आप हर मौके पर बेहतरीन दिखेंगी।

एक्सेसरीज का सही चयन करें

एक्सेसरीज आपके पूरे लुक को खास बना सकते हैं। अगर आप ऑफिस जा रही हैं तो छोटे स्टड्स और साधारण घड़ी पहनें, वहीं पार्टी के लिए स्टेटमेंट ईयररिंग्स, चेन और हाथों में कड़ा पहन सकती हैं। इसके अलावा एक अच्छा बैग भी आपके लुक को पूरा करेगा। अगर आप किसी खास मौके पर जा रही हैं तो थोड़ा एक्सेसरीज का चयन करें जैसे कि चेन, अंगूठी और कान की बालियां, जो आपके लुक को और भी आकर्षक बनाएंगी।

फुटवियर्स का चयन करें

फुटवियर्स का चयन करते समय ध्यान रखें कि वे आरामदायक होने चाहिए ताकि आप पूरे दिन बिना किसी परेशानी के उन्हें पहन सकें। ऑफिस के लिए फ्लैट्स या ब्लॉक हील्स फुटवियर्स अच्छे विकल्प हैं, जबकि पार्टी के लिए हाई हील्स फुटवियर्स चुन सकती हैं, जो आपके लुक को और भी खास बनाएंगे। इसके अलावा अगर आप किसी खास मौके पर जा रही हैं तो फ्लैट्स या आरामदायक फुटवियर्स भी अच्छे विकल्प हो सकते हैं।

बालों के स्टाइल पर ध्यान दें

बालों का स्टाइल भी आपके पूरे लुक को प्रभावित करती है इसलिए इसे नजरअंदाज न करें। ऑफिस जाते समय बालों को खुला छोड़ सकती हैं या जुड़ा बना सकती हैं, जबकि पार्टी के लिए खुला बाल या हल्का सा घुंघराला अच्छा विकल्प हो सकता है। इसके अलावा अगर आप किसी खास मौके पर जा रही हैं तो बालों में हल्का सा कर्ल या सीधा करवा सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी आकर्षक लगेगा।

योगा पैंट्स को रोजाना पहनने के लिए इन 5 तरीकों से करें स्टाइल

योगा पैंट्स का चलन आजकल बहुत बढ़ गया है। ये न केवल व्यायाम के दौरान आरामदायक होती हैं, बल्कि इन्हें आप रोजाना पहनकर भी स्टाइलिश दिख सकती हैं। सही तरीके से योगा पैंट्स को स्टाइल करने से आप हर मौके पर आकर्षक लग सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे सुझाव देंगे, जिनसे आप अपनी योगा पैंट्स को रोजमर्रा की जिंदगी में पहन सकती हैं और हर मौके पर स्टाइलिश दिख सकती हैं।

साधारण लुक के लिए टी-शर्ट के साथ पहनें

योगा पैंट्स को साधारण लुक देने के लिए एक हल्की टी-शर्ट आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकता है। सफेद या हल्के रंग की टी-शर्ट के साथ आपकी योगा पैंट्स बहुत अच्छी लगेंगी। इस लुक में आप अपने बालों को खुला रख सकती हैं और हल्का-फुल्का मेकअप कर सकती हैं। यह लुक न केवल आरामदायक है बल्कि आपको हर दिन आकर्षक भी दिखाएगा और आप कहीं भी जाएं, सबको प्रभावित करेंगी।

फॉर्मल शर्ट के साथ करें मेल

फॉर्मल शर्ट के साथ योगा पैंट्स पहनना एक समझदारी भरा विचार हो सकता है, खासकर ऑफिस के लिए। सफेद या हल्के रंग की फॉर्मल शर्ट आपके लुक को पेशेवर बनाती है और आपको हर किसी के बीच अलग दिखाती है। इसके साथ आप आरामदायक जूते पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक पूरा होता है और आरामदायक भी रहता है। इस तरह का मेल न केवल आपको पेशेवर दिखाएगा बल्कि आरामदायक भी रहेगा।

जैकेट के साथ जोड़ें

अगर मौसम ठंडा हो तो आप अपनी योगा पैंट्स के साथ एक जैकेट पहन सकती हैं। लेदर या डेनिम जैकेट इस लुक को और भी खास बना सकती हैं। इसके साथ आप आरामदायक जूते पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक पूरा हो जाएगा। यह मेल न केवल आपको गर्म रखेगा बल्कि आकर्षक भी दिखाएगा। इस तरह की स्टाइलिंग से आप हर जगह खास लगेंगी और आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

बूट्स के साथ करें मेल

योगा पैंट्स के साथ बूट्स पहनना एक नया चलन बन गया है, जो आपको अलग दिखाता है। काले रंग की योगा पैंट्स के साथ काले या भूरे रंग की बूट्स बहुत अच्छी लगती हैं। इस लुक में आप अपने बालों को खुला रख सकती हैं या बांध सकती हैं। यह स्टाइल आपको सर्दियों में गर्म रखने के साथ-साथ आकर्षक भी दिखाएगा। इस तरह का लुक आपको हर मौके पर खास बनाएगा और आत्मविश्वास बढ़ाएगा।

एक्सेसरीज का रखें ध्यान

योगा पैंट्स के साथ सही एक्सेसरीज पहनना बहुत जरूरी होता है ताकि आपका लुक पूरा हो सके। स्टेटमेंट ईयररिंग्स या हल्के हार आपके लुक को निखार सकते हैं। इसके अलावा आप हाथ में घड़ी या कंगन भी पहन सकती हैं, जो आपके स्टाइल को और भी खास बनाएगा। इस तरह के एक्सेसरीज आपके लुक को आकर्षक बनाते हैं और आपको हर मौके पर अलग दिखाने में मदद करते हैं।

मुख्यमंत्री ने ग्राम पंड्रापाथ तहसील सन्ना को दी बड़ी सौगात

विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा और अन्य बच्चों को भी मिलेगा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ग्राम पंड्रापाथ, विकास खंड बगीचा, तहसील सन्ना में आरचेरी अकादमी बनाने के लिए 20 करोड़ 53 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति दी है। एन टी पी सी ने अपने सी एस आर फंड से यह राशि उपलब्ध कराई है। मुख्यमंत्री ने कहा खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा को आगे बढ़ाने और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं।

ग्राम पंड्रापाथ के आरचेरी अकादमी लगभग 10.27 एकड़ में विकसित किया जाएगा, जिसमें तीरंदाजी केन्द्र में अभ्यास के लिए एक खेल मैदान, छोटा पुस्तकालय, मेडिकल की सुविधा, बच्चों का कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र, छोटा नर्सरी और हर्बल चाय की खेती की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

तीरंदाजी अकादमी में दूरस्थ अंचलों के विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा बच्चों और अन्य आदिवासी बच्चों को खेल अभ्यास कराया जाएगा ताकि बच्चे अपनी प्रतिभा राज्य से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दिखा सके।

उल्लेखनीय है कि आरचेरी अकादमी बनाने के लिए गांव पंड्रापाथ, तहसील-सन्ना, उप-मंडल-बगीचा, जिला-जशपुर (छत्तीसगढ़) में लगभग 10.27 एकड़ (41565 वर्ग मीटर-लगभग) के आवश्यक क्षेत्रफल की राज्य सरकार के स्वामित्व वाली भूमि का चिन्हांकन किया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय खिलाडियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं, इसी कड़ी में उनके आग्रह पर तीरंदाजी अकादमी की स्थापना करने हेतु एनटीपीसी ने 20.53 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान करने की प्रशासकीय स्वीकृति दी है। स्वीकृत लागत अनुमान के अनुसार समयबद्ध तरीके से कार्य के निष्पादन हेतु उपयुक्त राज्य सरकारी एजेंसी नियुक्त करने आग्रह किया है।

आरचेरी एक खेल और कला है जिसमें धनुष और बाण का उपयोग करके लक्ष्य पर निशाना लगाया जाता है। यह एक प्राचीन गतिविधि है । धनुष यह एक लचीली वस्तु होती है, जिससे बाण को छोड़ा जाता है। बाण नुकीला तीर जिसे लक्ष्य (निशाना) पर छोड़ा जाता है।

लक्ष्य जिस पर निशाना लगाया जाता है, आमतौर पर एक गोल आकृति होती है, जिसमें अलग-अलग रंग और स्कोर क्षेत्र होते हैं। निशाना लगाने की तकनीक इसमें एकाग्रता, संतुलन और शरीर की स्थिरता बहुत ज़रूरी होती है। भारत में आरचेरी का गहरा इतिहास है। आधुनिक खेलों में भारत के खिलाड़ी जैसे दीपिका कुमारी और अतनु दास ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन किया है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कांवड़ियों को हाथों से परोसा भोजन और प्रसाद, 18 हजार श्रद्धालु हुए लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

अमरकंटक/कवर्धा। सावन माह के पवित्र अवसर पर मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल अमरकंटक स्थित मृत्युंजय आश्रम में आज एक भावपूर्ण दृश्य देखने को मिला, जब छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने स्वयं कांवड़ यात्रियों को अपने हाथों से भोजन और प्रसाद परोसा। उनके साथ प्रसादी ग्रहण कर श्रद्धालुओं के चेहरों पर भक्ति, संतोष और कृतज्ञता की अद्भुत झलक दिखी।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने श्रद्धालुओं से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी कुशलक्षेम पूछी और हर हर महादेव व बोल बम के जयकारों के साथ उनका स्वागत किया। यह दृश्य भक्ति और सेवा की सजीव मिसाल बन गया, जिसने हजारों शिवभक्तों के मन को छू लिया। इस अवसर पर उनके साथ कबीरधाम जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जिला पंचायत सदस्य वीरेंद्र साहू, गोपाल साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे, जिन्होंने कांवड़ियों की सेवा में सक्रिय भागीदारी निभाई।

उपमुख्यंत्री शर्मा ने बोल बम समितियों को स्मृति चिन्ह भेंट की। श्री शर्मा ने कहा कि सावन भगवान शिव की आराधना का महीना है। यह केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आस्था, तप और सेवा की पराकाष्ठा है। ऐसे में शिवभक्तों की सेवा करना किसी पूजा से कम नहीं है। मेरा प्रयास है कि प्रत्येक कांवड़ यात्री श्रद्धा और विश्वास के साथ अपनी यात्रा पूर्ण कर सकें।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की पहल पर मृत्युंजय आश्रम में संचालित नि:शुल्क सेवा केंद्र से अब तक 85 बोल बम समितियों के 18 हजार से अधिक कांवड़िये लाभान्वित हो चुके हैं। यह सेवा केंद्र 6 अगस्त तक जारी रहेगा, जिसमें सुबह की चाय-नाश्ता, दोपहर और रात्रि का सात्विक भोजन, स्वच्छ पेयजल, विश्राम स्थल, शौचालय और प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था पूरी श्रद्धा के साथ उपलब्ध कराई जा रही है।

आज ही के दिन दो हजार से अधिक शिवभक्तों ने इस सेवा केंद्र में भोजन प्रसादी ग्रहण की। सावन की इस पुण्य बेला में अमरकंटक का दृश्य अत्यंत मनोहारी और प्रेरणादायक है। कबीरधाम सहित पूरे अंचल से हजारों कांवड़िये यहाँ पहुँच रहे हैं और उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा की अगुवाई में उन्हें जो स्नेह, सम्मान और सेवा मिल रही है, वह प्रदेशभर में एक नवीन सामाजिक चेतना का संचार कर रही है।

श्रद्धालुओं ने कहा कि मृत्युंजय आश्रम केवल विश्राम और भोजन का केंद्र नहीं, बल्कि शिवभक्ति और मानव सेवा का केंद्र बन चुका है। हर कोई यहाँ हर हर नर्मदे और बोल बम के उद्घोष के साथ भावविभोर हो रहा है।

ग्राम राँपा में हैंडपंप के जल स्रोत में क्लोरीनेशन से ग्रामीणों को मिला स्वच्छ जल का तोहफा

श्रीकंचनपथ न्यूज

एमसीबी। जिले के भरतपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम राँपा के निवासियों के लिए अब पीने का पानी पहले से कहीं अधिक सुरक्षित और स्वच्छ हो गया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्राम में स्थापित हैंडपंप के जल स्रोत में क्लोरीनेशन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस वैज्ञानिक प्रक्रिया के माध्यम से जल में उपस्थित हानिकारक जीवाणुओं और कीटाणुओं को प्रभावी ढंग से नष्ट किया गया, जिससे अब ग्रामीणों को संक्रमण मुक्त एवं गुणवत्ता युक्त पेयजल मिल रहा है। क्लोरीनेशन की यह पहल ग्रामवासियों के स्वास्थ्य की दृष्टि से एक बड़ा और कारगर कदम है, जिससे ग्रामीणों को जलजनित बीमारियों से बचाव में सीधा लाभ मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि अब तक कई ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की गुणवत्ता को लेकर चिंता बनी रहती थी, विशेषकर गर्मियों और बरसात के मौसम में जब जल स्रोतों में प्रदूषण की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा समय रहते इस पहल को अमल में लाना अत्यंत सराहनीय है। विभाग द्वारा नियमित निगरानी, पानी के सैंपल परीक्षण और आवश्यकतानुसार क्लोरीन का उपयोग कर जल स्रोतों को शुद्ध बनाया गया है, जिससे न केवल पेयजल की गुणवत्ता में सुधार आया है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए प्रसन्नता जताई है। उनका कहना है कि पहले हैंडपंप के पानी में हल्की दुर्गंध और अस्वच्छता की शिकायत रहती थी।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत जिले में विशेष अभियान 31 तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। गर्भवती और शिशुवती महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार, सुरक्षित मातृत्व और आर्थिक सहायता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारत सरकार की प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत रायगढ़ जिले में 31 जुलाई 2025 तक एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र महिला योजना के लाभ से वंचित न रहे।

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर, विभागीय अधिकारी और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर पात्र महिलाओं से आवेदन पत्र भरवा रहे हैं। कलेक्टर द्वारा इस

अभियान की नियमित समीक्षा की जा रही है और जिले के शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान काम न कर पाने से होने वाले आर्थिक नुकसान की आंशिक भरपाई करना है। यह योजना उन सभी गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए है जो केंद्र या राज्य सरकारों या सार्वजनिक उपक्रमों में नियमित रोजगार में नहीं हैं, या जो वर्तमान में लागू किसी अन्य कानून के तहत समान लाभ प्राप्त नहीं कर रही हैं।

योजना के लाभ और पात्रता

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत पहले बच्चे के जन्म पर महिला को दो किश्तों में कुल पांच हजार रुपए दिए जाते हैं। वहीं दूसरी संतान बालिका होने पर एकमुश्त छह हजार रुपये का प्रावधान है। योजना का लाभ उठाने के लिए लाभार्थी महिला का बैंक या पोस्ट ऑफिस में खाता अनिवार्य है और वह खाता आधार से लिंक होना चाहिए। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इस अभियान के तहत अब तक 500 से अधिक महिलाओं के आवेदन भरवाए जा चुके हैं। पात्र महिलाएं 31 जुलाई 2025 तक अपनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता या पर्यवेक्षक से संपर्क कर आवेदन फार्म भर सकती हैं। इस अभियान के तहत पात्र हितग्राहियों को योजना से जोड़ने के लिए जिले के विभिन्न ग्रामों में शिविर लगाए जा रहे है। इसी क्रम में गत दिवस रायगढ़ विकासखंड के ग्राम गेरवाई में घर-घर जाकर शिविर के माध्यम से फार्म भरवाए गए, जिससे हितग्राहियों को सुविधापूर्वक योजना का लाभ मिल सके। यह विशेष अभियान जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के 115 शिक्षकों को पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण

प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के खेलकूद सहित बच्चों के सर्वांगीण विकास पर बल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिक्षकों के माध्यम से स्कूली बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए रायगढ़ जिले के सात विकासखंडों के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के 115 शिक्षकों को पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया गया।

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के तत्वावधान में माण देसी ट्रैवल चैंपियन द्वारा यह प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य एथलेटिक्स, खो-खो, कबड्डी, गोला फेक, भाला फेक, लम्बी कूद, ऊंची कूद आदि खेलों की तकनीक का प्रशिक्षण, मांसपेशियों को मजबूत करने के व्यायाम, नींद और संतुलित पोषण के प्रति जागरूकता, खेलों के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, स्वस्थ जीवनशैली, जीवन कौशल, संवाद कौशल और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना है।

यह कार्यक्रम न केवल शिक्षकों के स्वास्थ्य और खेल शिक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में कारगर साबित हुआ, बल्कि इससे वे अपने विद्यालयों में बच्चों को एक जागरूक, स्वस्थ और जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करने की दिशा में और अधिक सक्षम बन सकेंगे। प्रशिक्षण का सैद्धांतिक सत्र सृजन सभाकक्ष रायगढ़ में और प्रायोगिक सत्र स्टेडियम बोइरदादर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की रूपरेखा जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.के.वी.राव, डीएमसी नरेंद्र चौधरी तथा कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी एवं एपीसी भुवनेश्वर पटेल के नेतृत्व में तैयार की गई।

गरियाबंद में हुए मेगा हेल्थ कैंप में गंभीर बीमारी का लगा पता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के विभिन्न जिलों में राज्य शासन द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे है, जहां मरीजों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। इस कड़ी में जिला प्रशासन द्वारा गरियाबंद में विशेष मेगा हेल्थ शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. भट्टर एवं टीम द्वारा कुपोषित बच्चों की जांच एवं ईलाज की गई। इसी दौरान ग्राम कुटेना निवासी मनोज यादव के पुत्र बालक पूर्वेश यादव के स्वास्थ्य जांच के दौरान एक दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी एक्टोडर्मल डिस्प्लेशिया का पता चला।

बच्चे में दुर्लभ बीमारी की पहचान होने के बाद डॉ. भट्टर ने बताया कि यह बीमारी लाखों में किसी एक व्यक्ति को प्रभावित करती है, जिसमें बाल, त्वचा, दांत, नाखून और पसीना ग्रंथियों के विकास में बाधा आती है। इस बीमारी से शरीर के उन भागों के विकास में समस्या होती है जो एक्टोडर्म नामक भ्रूणीय परत से बनते हैं। इसमें मुख्य रूप से बाल, त्वचा, दांत, नाखून, और पसीना ग्रंथियाँ प्रभावित होती हैं। बालक पूर्वेश की माता श्रीमती डामिन यादव ने शिविर में इस बीमारी की पहचान होने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर जानकारी मिलना उनके बच्चे के स्वास्थ्य के लिए राहत का कार्य करेगा। बीमारी का समय रहते पता चल जाने से अब बच्चे के बेहतर ईलाज में सहूलियत होगी।

इस विशेष स्वास्थ्य शिविर में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक भट्टर एवं उनकी टीम द्वारा जिले के कुपोषित बच्चों का गंभीरतापूर्वक स्वास्थ्य जांच एवं ईलाज किया गया। साथ ही बच्चों के पालकों को बच्चों के बेहतर देखभाल एवं कुपोषण को दूर करने खानपान से संबंधित आवश्यक सलाह भी दिया गया। शिविर में जिले के लगभग 192 बच्चों का वजन माप, वृद्धि चार्ट एवं आवश्यक मापदण्डों में पंजीयन किया गया। इस आधार पर डॉ. भट्टर ने बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति की जांच कर आवश्यक ईलाज एवं देखभाल के लिए सुझाव दिया।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के अंतिम कार्यक्रम में बालिकाओं को मिला डिजिटल सुरक्षा का सशक्त कवच

श्रीकंचनपथ न्यूज

एमसीबी। जिले में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत आयोजित अंतिम जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आदर्श विद्या मंदिर हायर सेकेंड्री स्कूल, खोंगापानी में 'ऑनलाइन सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता' विषय पर विशेष सत्र का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

जिसका उद्देश्य बालिकाओं को साइबर अपराधों और डिजिटल खतरों से सचेत करते हुए उन्हें तकनीकी रूप से सशक्त बनाना था। इस कार्यक्रम का संचालन जिला कलेक्टर एवं दंडाधिकारी डी. राहुल वेंकट के निर्देश तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती के मार्गदर्शन में किया गया।

पुलिस अधीक्षक चन्द्र मोहन सिंह का आयोजन में सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम की रूपरेखा मिशन शक्ति के अंतर्गत जिला मिशन समन्वयक श्रीमती तारा कुशवाहा के नेतृत्व में तैयार की गई, जिन्होंने बालिकाओं के लिए इस सत्र को संवादात्मक, सरल और ज्ञानवर्धक रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य सत्र में पुलिस विभाग की श्रीमती उषा राजवाड़े ने बालिकाओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी, डेटा चोरी, बैंकिंग फ्रॉड, रैनसमवेयर, सॉफ्टवेयर हैकिंग, डी-डॉस अटैक और साइबर जासूसी जैसे जटिल साइबर खतरों से अवगत कराया। उन्होंने सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, पहचान गोपनीयता, पासवर्ड सुरक्षा जैसे विषयों पर व्यवहारिक उदाहरणों सहित मार्गदर्शन दिया।

इसी क्रम में, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की प्रतिनिधि श्रीमती अंजनी यादव (पी.एल.वी.) ने बालिकाओं को कानूनी अधिकारों, आत्मरक्षा तकनीकों और साइबर शोषण से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की महत्ता समझाते हुए बालिकाओं को किसी भी आपात स्थिति में नि:संकोच मदद लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में वित्तीय साक्षरता समन्वयक श्रीमती अनीता कुमारी साह ने सरकार द्वारा चलाई जा रही महिला कल्याणकारी योजनाओं जैसे दृ नोनी सुरक्षा योजना, सक्षम योजना, सखी निवास, शक्ति सदन, नारी अदालत, महतारी वंदन योजना, मातृ वंदन योजना और नवा बिहान योजना की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने योजनाओं के लाभों को बालिकाओं की भाषा में सरल रूप से समझाकर उनके आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा स्पष्ट की। वहीं आर.के. खाती ने बालिकाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों, डिजिटल साक्षरता, आत्मरक्षा कौशल और शिक्षा के महत्व पर विस्तार से संबोधित किया। उन्होंने कहा आज की बेटियाँ तकनीकी जागरूकता, आत्मबल और शिक्षा के माध्यम से समाज की संरचना को बदलने की शक्ति रखती हैं। यह जिम्मेदारी हम सबकी है कि उन्हें सुरक्षित, सशक्त और जागरूक बनाया जाए।

इस आयोजन में विद्यालय के समस्त शिक्षक टीवीवीरेंद्र बहादुर सिंह, हृदय नारायण सिंह, विश्व जीत आचार्य, अनिल कुमार त्रिपाठी सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। बालिकाओं ने पूरे सत्र में गहरी रुचि दिखाई, प्रश्न पूछे, अपनी जिज्ञासाएं साझा कीं और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन सभी विद्यार्थियों के साथ रोचक खेलों के आयोजन और बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाओं के साथ हुआ। यह आयोजन न केवल बालिकाओं को डिजिटल खतरों से सजग बनाने में सफल रहा, बल्कि उनके भीतर आत्मरक्षा और आत्मविश्वास का भाव भी सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ। इस अंतिम कार्यक्रम ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की सफलता को एक नए शिखर पर पहुँचाया और जिले में बालिकाओं के डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के रूप में अपनी पहचान दर्ज कराई।

संकल्प महिला मंडल ने मनाया हरियाली तीज उत्सव

कोरबा। हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम के आवासीय कॉलोनी स्थित रविंद्र सांस्कृतिक भवन में संकल्प महिला मंडल (सीनियर क्लब) द्वारा हरियाली तीज उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी की प्रथम महिला प्रभा कटियार रहीं। तीज उत्सव में हरियाली क्रीन काजल पहवा चुनी गईं। जबकि श्रीतमा पाल द्वितीय स्थान व सुनीता तिवारी को तृतीय स्थान मिला। कार्यक्रम का सफल आयोजन संकल्प महिला मंडल की अध्यक्ष रूबी श्रीवास्तव मार्गदर्शन में महिला मंडल के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण महिला मंडल की सचिव संगीता कोरम ने दिया। सांस्कृतिक सचिव स्वाति जैन एवं दीक्षा गुप्ता की समिति द्वारा "दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे की थीम पर नृत्य नाटिका की मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

गर्भवती पत्नी की हत्या, पति ने दोस्तों के साथ मिलकर जलाया शव

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में पंचायत सचिव सुषमा खुसरो की हत्या के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस ने इस हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। जांच में पता चला है कि सुषमा के पति ने ही उसकी हत्या की और दोस्तों की मदद से शव का अंतिम संस्कार कर दिया। हत्या का कारण आपसी विवाद और गर्भपात को लेकर चल रहा मनमुटाव बताया गया है। कुछ दिन पहले उसकी अधजली लाश जिला जेल के पीछे हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के एक निर्जन स्थान पर मिली थी। मामले की सूचना पर कोरबा पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

कोरबा सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के निर्देश पर विशेष जांच टीम गठित की गई थी। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाले और सुषमा के परिचितों से लगातार पूछताछ की। जांच में यह बात सामने आई कि सुषमा के पति अभिनेक लदेर ने ही हत्या की साजिश रची और उसे अंजाम भी दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतिका सुषमा और आरोपी अभिनेक दोनों पंचायत सचिव थे। दोनों को अनुकंपा नियुक्ति मिली थी और ट्रेनिंग के दौरान उनकी मुलाकात हुई। यह मुलाकात दोस्ती में बदली और फिर प्यार में। दोनों ने करीब दो साल पहले लव मैरिज कर ली थी, लेकिन इसकी जानकारी अपने परिवार वालों को नहीं दी थी। वे कोरबा के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में किराए के मकान में रह रहे थे।

सीएसपी के अनुसार, सुषमा करीब एक माह की गर्भवती थी और बच्चे को जन्म देना चाहती थी, जबकि उसका पति गर्भपात कराना चाहता था। इस बात को लेकर दोनों के बीच कई बार विवाद हुआ था। इसी विवाद से परेशान होकर आरोपी पति ने सुषमा की गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को ठिकाने लगाने के लिए जलाने की कोशिश की। मां ने शव लेने से किया इनकार तो पति ने कर दिया अंतिम संस्कार हत्या के बाद आरोपी ने शव को छुपाने का प्रयास किया। जब सुषमा की मां ने शव को लेने से मना कर दिया तो आरोपी पति ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। हत्या में शामिल अन्य सहयोगियों की भी तलाश की जा रही है।

स्पॉ सेंटर में चल रहा था सेक्स का अड्डा, संचालिका सहित पांच गिरफ्तार, सुपेला पुलिस की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र के एक स्पा सेंटर में अनैतिक देह व्यापार का खुलासा हुआ है। स्पा सेंटर में मसाज के साथ सेक्स भी परोसा जा रहा था। सुपेला पुलिस ने शनिवार को स्पा सेंटर में रेड कर संचालिका के साथ ही पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं स्पा सेंटर के मालिक की पतासाजी की जा रही है। मौके से पुलिस ने 6 मोबाइल फोन, 1 लेनोवा का टेब, आधार कार्ड एवं 8 डायरी, 4 रजिस्टर एवं अन्य टाईप शुदा मोबाइल नम्बरों का डाटा व नगदी 600 रुपए सहित आपत्तिजनक

वस्तुओं को जब्त किया है। दरअसल पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि नेहरू नगर चौक कोटक महिन्द्रा बैक के पास द ग्रीन डे स्पॉ मे अवैध रूप से देह व्यापार कराया जा रहा है। सूचना के बाद सुपेला पुलिस की एक टीम ने द ग्रीन डे स्पॉ में दबिश दी। मौके पर पुलिस को अवैध देह व्यापार कराते संचालिका को रंगे हाथ पकड़ा। पुलिस की पूछताछ में स्पा सेंटर की संचालिका संध्या कुमारी तथा ग्राहक अरविंद यादव, आदित्य सिह, टेली कॉलर जैनम खातून एवं योगिता गंधर्व बता कि स्पॉ सेंटर के आड मे अनैतिक देह व्यापार करते हैं।

टेली कालर जैनम खातून एवं योगिता गंधर्व के माध्यम से ग्राहको को फोन कर प्रलोभन दिया जाता है। सुपेला पुलिस ने इस मामले में अनैतिक देह व्यापार निवारण अधि. 1956 की धारा 3,4,5,7 कायम कर विवेचना में लिया। प्रकरण का मुख्य आरोपी स्पा सेंटर मालिक फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। उक्त कार्यवाही में नगर पुलिस अधीक्षक सत्यप्रकाश तिवारी, निरीक्षक विजय कुमार यादव, उनि मनीष वाजपेयी, प्रधान आरक्षक योगेश चन्द्राकर, अमर सिंह, महिला आरक्षक स्वाती कुर्रे एवं महिला रक्षा टीम प्रभारी संगीता मिश्रा, महिला आरक्षक योगिता साहू, महिला आरक्षक सरस्वती ठाकुर, दीपक साहू की सराहनीय भूमिका रही।

दुर्ग-भिलाई में पकड़ाए चार गांजा तस्कर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग। जिले में ढाई लाख का अवैध गांजा पकड़ाया है। 24 जुलाई को भिलाई के सेक्टर 6 आयकर भवन के पास 2 युवक गांजा बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे थे। तभी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। पुलिस ने 2 अलग-अलग कार्रवाई में 23 किलो गांजा पकड़ा है।

मामला भिलाई नगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी उत्तरप्रदेश से यहां गांजा बेचने आए थे। 2 अलग-अलग प्रकरणों में कार्रवाई की गई है। दूसरे मामले में भी 2 आरोपी भिलाई से पकड़ाए है। चारों को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया है।पुलिस प्रवक्ता पद्मश्री तंवर ने बताया कि 24 जुलाई को पुलिस सूचना मिली थी कि दुर्ग रायपुर नेशनल हाईवे के किनारे भिलाई में दो युवक अवैध रूप से गांजा बेच रहे हैं। सूचना पर छापे मार कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से चार पैकेट में 2 लाख 12 हजार कीमत की 21.393 केजी गांजा के साथ एक हजार रुपए नगद बरामद किया गया है।

पुलिस ने ऑपरेशन विश्वास अभियान के तहत भिलाई के 2 और आरोपियों को पकड़ा है। उनके कब्जे से 30 हजार मूल्य का 1.363 किलोग्राम गांजा मिला है। दोनों ही प्रकरणों में आरोपियों के पास गांजा बेचने का कोई वैध दस्तावेज नहीं पाए जाने पर एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मामले में चार आरोपी गिरफ्तार किए हैं जिसमें कैफ अब्बासी (23 साल) उत्तरप्रदेश के मेरठ का रहने वाला उस्मान कुरैशी (22 साल) उत्तरप्रदेश के बागपत निवासी जगदीश भारती (26 साल) भिलाई, छत्तीसगढ़ छत्तीसगढ़ पर्यटन अंकित सूर्यवंशी (31 साल) भिलाई छत्तीसगढ़ शामिल हैं।

भिलाई में समूह बनाकर 15 लाख की ठगी, 13 महिलाओं के लोन की रकम डकार गई शातिर महिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र में महिला समूह बनाकर और फिर उन्हीं महिलाओं के नाम पर लोन निकालकर एक महिला ने 15 लाख रुपए डकार लिए। 13 महिलाओं की लोन की रकम अलग अलग बहाने से महिला ने ले लिए। महिला उक्त रकम न तो वापस कर रही और न ही बैंक का लोन चुका रही। परेशान महिलाओं ने सुपेला थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत पर सुपेला पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

दरअसल इस संबंध में रेश्ने आवास वार्ड 5 निवासी पूर्णिमा चौहान सहित 13 महिलाओं ने शिकायत दर्ज कराई है। पूर्णिमा चौहान ने बताया कि नेमा गोस्वामी ने उन्हें पहले समूह लोन के संबध मे जानकारी दी और विभिन्न बैको से लोन दिलाकर उस रकम को अलग अलग बहाने से खुद ही ले लिया। पीड़ित महिलाओं ने अपनी शिकायत में बताया कि नेमा गोस्वामी ने कभी बेटी की बीमारी तो कभी पति की जरूरत व अन्य बहानों ने लोन की रकम को वापस करने का भरोसा दिलाकर ले लिया। उसने पूर्णिमा चौहान, कस्तूरी टांडी, लक्ष्मी तिवारी, बेन बाई, रेखा तांडी, अन्नू बारीक, शशिकला मेश्राम, जयवंता बाई, सावित्री टंडन, समीम बानो, चंद्रकला सिंह, सुजाता चन्द्रवंशी व स्वाति दीदी से लोन की रकम अपनी जरूरत के लिए लिया और न रुपए वापस कर रही है और नही लोन पटा रही है।

इन महिलाओं से ऐंठी रकम

* पूर्णिमा चौहान ने बताया कि उसने नेबफिन्स लिमिटेड से 60,000 हजार व उज्जीवन बैंक से 150,000 रुपए का लोन निकालकर नेमा गोस्वामी को दिया।
* कस्तूरी टांडी ने बताया कि नेमा गोस्वामी ने स्वस्ति कस्टमर बैंक से साप्ताहिक लोन 35,000 हजार दिलवाई और फिर बहाना बनाकर ले लिया।
* लक्ष्मी तिवारी ने बताया कि नेमा गोस्वामी नेबफिस लिमिटेड बैंक से 40,000 हजार का लोन दिलवाया। दूसरा लोन 55,000 बंधन बैंक से और तीसरा लोन 80000 रुपए आर्शीवाद बैंक से दिलवाया और बेटी की तबीयत का बहाना कर ले लिए।
* बेन बाई अनंत ने बताया कि नेमा गोस्वामी ने उज्जीवन बैंक से पर्सनल लोन 75,000 रुपए और दूसरा लोन बेल स्टार बैंक से 65 हजार रुपए निकलवाए और अपने बच्चेदानी का ऑपरेशन व भांजी की शादी का बहाना कर ले लिया।
* रेखा टांडी बताया कि उसने पहला लोन 42,000 हजार लिया और दूसरा लोन 40000 का लिया। तीसरा लोन 35 हजार का दिलवाया और बेटी की पथरी व कैंसर का बहाना कर ले लिए जो वापस नहीं कर रही।
* सावित्री टंडन ने बताया की उसने पहला लोन 40,000 हजार, दूसरा लोन 42000, तीसरा लोन 30,000, चौथा लोक 30,000 रुपए और पांचवा लोन 70,000 हजार रुपए का लिया। उक्त पूरे रुपए नेमा गोस्वामी ने अपने व अपनी बेटी की बीमारी का बहाना कर ले लिए।
* चंद्रकला सिंह ने बताया कि नेमा गोस्वामी ने बेटी के पेट में बच्चा मर गया है कहकर 80,000 रुपए लिए। इसी प्रकार स्वाति नेमा गोस्वामी ने जरूरत बताकर 10,000 रुपए ले लिए।
* जयवंत नागवंशी बताया कि उसने पहला लोन 40,000 रुपए और दूसरा लोन 70,000 रुपए का लिया। इन रुपए को भी नेमा गोस्वामी ने बहाना बनाकर ऐंठ लिया और वापस नहीं कर रही।
* शमीम बानो ने बताया कि उसने पहला लोन 80,000 रुपए, दूसरा 70 हजार रुपए और तीसरा लोन 70,000 रुपए का लिया। नेमा गोस्वामी ने बड़ी बेटी का बच्चा पेट में खत्म होने व ऑपरेशन के रुपए ले लिए और वापस नहीं किया।

15 दिनों से लापता बुजुर्ग की घर के अंदर मिली सड़ी लाश, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जिले के सन्ना थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पिछले 15 दिनों से लापता एक बुजुर्ग का शव उसके ही घर के एक कमरे में फांसी के फंदे से झूलता हुआ पाया गया। शव पूरी तरह सड़ चुका था और पूरे घर में तेज दुर्गंध फैली हुई थी। इस घटना से पूरे मोहल्ले में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक बुजुर्ग अपनी पत्नी के साथ सन्ना क्षेत्र के अपने घर में अकेले रहते थे। लगभग 15 दिन पहले वह अचानक लापता हो गए थे। बुजुर्ग की पत्नी ने अपने स्तर पर आसपास के इलाकों में उनकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। उन्होंने सोचा कि शायद वे कहीं बाहर चले गए हैं, इसलिए लगातार इंतजार करती रहीं।

शनिवार को मृतक की पत्नी ने घर के एक हिस्से से भयानक दुर्गंध महसूस की। जब दुर्गंध बढ़ती गई तो उन्होंने आसपास के लोगों को

इसकी जानकारी दी। मोहल्ले के लोग जब घर के अंदर पहुंचे और एक बंद कमरे का दरवाजा खोला गया, तो वहां का दृश्य देखकर सभी हैरान रह गए। बुजुर्ग का शव छत से लटक रहा था और लाश पूरी तरह से सड़ चुकी थी। शव की हालत देखकर ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि मौत कई दिन पहले ही हो चुकी थी। सूचना मिलते ही सन्ना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बुजुर्ग ने आत्महत्या क्यों की। मामले को लेकर परिजन और मोहल्लेवासी भी स्तब्ध हैं।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का संदेह जताया जा रहा है, लेकिन घटना के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों और परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि पता लगाया जा सके कि क्या बुजुर्ग किसी मानसिक तनाव या पारिवारिक समस्या से जूझ रहे थे। इस घटना ने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया है। अब पुलिस रिपोर्ट और पोस्टमार्टम के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि बुजुर्ग की मौत आत्महत्या थी या इसके पीछे कोई और वजह थी।

लालच में 7 साल की मासूम लाली की दी बलि तांत्रिक व भाई-भाभी सहित 4 लोग गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। जिले के कोसाबाड़ी गांव में तंत्र-मंत्र और झाड़फूंक के अंधविश्वास के चलते 7 वर्षीय मासूम लाली उर्फ महेश्वरी गोस्वामी की कथित रूप से बलि दे दी गई। आरोप है कि 'मनचाहा धन' प्राप्त करने के लालच में परिवार के ही लोगों ने मिलकर इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। घटना 11 अप्रैल 2025 की रात की है, जब बच्ची अपनी मां के साथ घर में सो रही थी और अगली सुबह लापता पाई गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की, लेकिन बच्ची का कोई सुराग नहीं मिला। करीब एक महीने बाद, 6 मई को गांव के श्मशान के पास एक खेत में मानव खोपड़ी और अस्थियाँ मिलीं। डीएनए जांच में पुष्टि हुई कि यह अवशेष लापता बच्ची लाली के ही थे।

पुलिस जांच में जो खुलासा हुआ, कि बच्ची की हत्या की साजिश उसी के रिश्ते में भाई-भाभी ने रची थी। आरोपियों ने 'झरन पूजा' नामक काले तांत्रिक अनुष्ठान के लिए बच्ची की बलि दी, ताकि वे समृद्धि प्राप्त कर सकें। इस कांड में कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिन्होंने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में बच्ची का रिश्ते में भाई चिम्मन गिरी गोस्वामी, उसकी पत्नी ऋतु गोस्वामी, बच्ची को उठाने वाला नरेंद्र मार्को, पूजा में शामिल आकाश मरावी, और झाड़फूंक करने वाला बैगा रामरतन निषाद शामिल हैं। मुख्य साजिशकर्ता ऋतु गोस्वामी बताई गई है, जिसने बैगा के साथ मिलकर पूरी योजना रची।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी महिला ने तांत्रिक पूजा के लिए बैगा से संपर्क किया और बच्ची की बलि देने की साजिश रच डाली। नरेंद्र मार्को को पैसे देकर बच्ची को रात में घर से उठवाया गया। उसे काले कपड़े पहनाकर तांत्रिक क्रियाएं की गईं और फिर चाकू से उसकी बेरहमी से हत्या कर शव को खेत में दफना दिया गया।

बिलासपुर रेंज के आईजी डॉ. संजीव शुक्ला और मुंगेली एसपी भोजराम पटेल के नेतृत्व में गठित विशेष जांच टीम ने साइबर सेल, सीसीटीवी, गवाहों के बयान, नार्को, ब्रेन मैपिंग और पॉलिग्राफ टेस्ट की मदद से मामले की तह तक पहुंचने में सफलता हासिल की। जांच के दौरान पूजा में इस्तेमाल की गई सामग्री और हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिए गए हैं।

गिरफ्तार सभी आरोपियों को 26 जुलाई को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धाराएं 103(1), 140, 137(2), 61 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में लोरमी थाना, साइबर सेल और राजस्व विभाग की भूमिका सराहनीय रही। गांव में मातम और आक्रोश कोसाबाड़ी गांव समेत पूरे लोरमी क्षेत्र में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश और मातम है। मासूम बच्ची की बलि जैसी अमानवीय घटना ने समाज को झकझोर कर रख दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि अब ऐसे अंधविश्वासी कृत्यों के खिलाफ कड़ा एक्शन जरूरी है। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि अंधविश्वास आज भी ग्रामीण समाज में कितनी गहराई तक जड़ें जमा चुका है और किस तरह यह इंसानियत को शर्मसार कर रहा है। प्रशासन और समाज दोनों के लिए यह एक चेतावनी है कि अब जागरूकता, शिक्षा और कानून के प्रभावी क्रियान्वयन से ही ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सकती है।

डिक्री आदेश के बाद मजिस्ट्रेट व पुलिस बल की उपस्थिति पूर्व डीजीएम के आवास को किया सील

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जिला न्यायलय से पूर्व छत्तरू का सम्पदा न्यायलय के विरुद्ध अपील लंबित, जिला न्यायलय से किसी प्रकार का राहत या स्टे नहीं मिला था, जिसके कारण बेदखली की कार्यवाही की गयी जिनको स्टे मिला हुआ है, उनके विरुद्ध कार्यवाही नहीं की गयी है। वर्तमान नियमों के तहत 6,महीने पूर्ण होने पर रिटेन्शधारी PP Act 1971 के तहत अवैध कब्जेधारी पूर्व DGM द्वारा निरंतर नेताओं से दवाब तथा तथाकथित लोगों का समूह भेजकर कार्यवाही को बाधित करने की कोशिश भी की गयी किन्तु भारी पुलिस बल तथा कार्यपलक मजिस्ट्रेट के सामने एक नहीं चली और सभी तथाकथित लोग वापस लौट गए।

रिटेंशन नियमो के तहत वर्तमान में मात्र 6 महीनों के लिए ही आवास आबाटित किया जाता है, उसके उपरांत अवैध कब्जा मना जाता है तथा पी पी एक्ट (Public Premises Act) 1971 के तहत अवैध कब्जेधारी को

नोटिस, सुनवाई का पूर्ण मौका दिया जाता है तथा डिक्री जारी करने की प्रकिरिया की जाती है। पूर्व DGM को भी पूरा मौका दिया गया। डिक्री जारी होने के पश्चात सम्पदा न्यायलय द्वारा अवैध कब्जेधारी को 15 दिवस का समय कब्जा खाली करने के लिए देता है। कई कब्जेधारी जिला न्यायलय, दुर्ग तथा उच्च न्यायलय, बिलासपुर में सम्पदा न्यायलय द्वारा पारित डिक्री के विरुद्ध अपील करते है, यदि न्यायलय द्वारा स्टे नहीं दिया जाता है तो, अवैध कब्जेधारी से बीएसपी संपति खाली करवाया जाता है अथवा उन्हें बीएसपी संपति से बेदखल किया जाता है।

पूर्व DGM द्वारा भी जिला न्यायलय में सम्पदा न्यायलय के डिक्री के विरुद्ध अपील किया गया था, किन्तु जिला न्यायलय द्वारा पूर्व DGM को किसी प्रकार का राहत या स्टे नहीं दिया गया। पीपी एक्ट 1971 के तहत रिटेंशन समायावधि पूर्ण होने के पश्चात, निवासरत व्यक्ति अवैधकब्जेधारी हो जाता है, इसमें किसी प्रकार का ओवरस्टे पीरियड नहीं होता है। अवैध कब्जेधारी के विरुद्ध कार्यवाही के लिए सम्पदा न्यायलय द्वारा किसी भी एक अधिकारी को अधिकृत किया जाता है तथा सम्पदा न्यायलय द्वारा बेदखली कार्यवाही हेतु कार्यपालक मजिस्ट्रेट तथा पुलिस बल उपलब्ध करवाया जाता है। कार्यवाही के पश्चात पंचनामा, चाबी, दस्तावेज, वीडियो रिकॉर्डिंग, इत्यादि सम्पदा न्यायलय में जमा कर दिया जाता है। उसकी प्रतिलिपि, प्रशासन को भी दी जाती है। कुछ पूर्व बीएसपी कार्मिक रिटेंशन आवासधारी द्वारा बीएसपी सम्पति का दुरूपयोग किया जाता है। कई लोगों द्वारा आवास को किराया पर दे दिया जाता है। कुछ लोगों द्वारा बीएसपी आवास में अवैध रूप से निवासरत है, अपने द्वारा बनाये आवास को किराया में दे देते है। बहुत रिटेंशन धारी दूसरे कंपनियों में नौकरी भी करते है, और बीएसपी आवास को भी अवैध कब्जे में रखे रहते है, जिसके वजह से कई वरिष्ठ अधिकारी जो बाहर से ट्रांसफर होकर आये है या जिनका उच्च ग्रेड में प्रमोशन हो गया है, ऐसे लोगों की वजह से बीएसपी आवास नहीं मिल पाते है। ऐसे सभी अवैध कब्जेधारिओं के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ टीबी उन्मूलन की दिशा में तेजी से अग्रसर: 4106 ग्राम पंचायतें हुईं टीबी मुक्त घोषित

टीबी मुक्त ग्राम पंचायत कार्यक्रम के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ को मिला राष्ट्रीय सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के दूरदर्शी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य टीबी जैसी गंभीर बीमारी के उन्मूलन की दिशा में प्रभावी और सुनियोजित प्रयासों के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2025 तक भारत को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ में भी व्यापक कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वित की जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के दिशानिर्देशन में 7 दिसंबर 2024 को निक्षय-निरामय छत्तीसगढ़ 100 दिवसीय अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान का उद्देश्य था टीबी के विरुद्ध जमीनी स्तर पर निर्णायक लड़ाई छेड़ना। अभियान के अंतर्गत राज्य के सभी जिलों में घर-घर जाकर उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें सूचीबद्ध करते हुए आधुनिक तकनीकों के माध्यम से जांच कराई गई।

इस अभियान के तहत 36 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की गई, 4.5 लाख से अधिक एक्स-रे जांचें की गईं और 1.5 लाख से अधिक व्यक्तियों की जांच अत्याधुनिक 'नॉट मशीन' से की गई। यह व्यापक परीक्षण प्रक्रिया टीबी की शीघ्र पहचान और त्वरित उपचार के लिए अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई।

इस अभियान की सफलता में जनभागीदारी की भूमिका भी उल्लेखनीय रही। स्वयं राज्यपाल, मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री ने टीबी मरीजों को गोद लेकर 'निक्षय मित्र' के रूप में पोषण आहार उपलब्ध कराने की पहल की। अब तक 15,000 से अधिक नए निक्षय मित्रों ने पंजीकरण कर 34,000 से अधिक मरीजों को पोषण सहायता प्रदान की है। राज्य के सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि, महिलाएं, युवा वर्ग, स्वयंसेवी संगठन और आम नागरिक इस अभियान में सक्रिय रूप से सहभागी बने हैं। मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर समाज के उन वर्गों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है, जो आमतौर पर स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित रह जाते हैं जैसे कि जेलों में बंद बंदी, वृद्धाश्रमों के बुजुर्ग, छात्रावासों में रह रहे छात्र तथा फैक्ट्रियों में कार्यरत श्रमिक।

इनके लिए विशेष शिविरों का आयोजन कर जांच और उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। इन समर्पित प्रयासों और सामूहिक भागीदारी का ही परिणाम है कि छत्तीसगढ़ राज्य को टीबी मुक्त ग्राम पंचायत कार्यक्रम के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। अब तक राज्य की 4106 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया जा चुका है — जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि जब शासन की प्रतिबद्धता और जनसहयोग एक साथ मिलते हैं, तब बदलाव सिर्फ लक्ष्य नहीं, उपलब्धि बन जाते हैं ङ्क और छत्तीसगढ़ इसका जीवंत उदाहरण बनने जा रहा है।

भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर छत्तीसगढ़ के लिए नए अवसरों का द्वार

मुख्यमंत्री साय बोले- भारत-यूके एफटीए से किसानों, बुनकरों और युवाओं के लिए खुलेगा वैश्विक बाजार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच मुक्त व्यापार समझौते को भारत की विकास यात्रा का नया अध्याय बताया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति आभार जताया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह समझौता न केवल भारत के आर्थिक क्षितिज को विस्तार देगा, बल्कि विशेष रूप से ऐसे राज्य जो कृषि, शिल्प, लघु और कुटीर उद्योगों पर आधारित हैं ङ्क जैसे छत्तीसगढ़ ङ्क उन्हें वैश्विक व्यापार का हिस्सा बनने का ऐतिहासिक अवसर प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत-यूके एफ्टीए से भारत के 99त्न निर्यात उत्पादों को ब्रिटेन में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। इससे किसानों, एमएसएमई, हस्तशिल्पियों, बुनकरों और पारंपरिक उत्पादों को सीधे लाभ मिलेगा। इस समझौते से अनुमानित 23 अरब डॉलर के नए व्यापार अवसर खुलेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह ऐतिहासिक कदम छत्तीसगढ़ जैसे कृषि और श्रम प्रधान राज्यों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह समझौता छत्तीसगढ़ के लिए कृषि को बल, उद्योग को संबल और युवाओं को नए रोजगार के अवसर देगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्थानीय उत्पादकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप तैयार करने के लिए विशेष प्रशिक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण, और निर्यात सहायता केंद्रों की स्थापना पर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोटिश: धन्यवाद देते हुए कहा कि यह उनके दूरदर्शी नेतृत्व, आर्थिक सुधारों और 'वोकल फॉर लोकल' को ग्लोबल स्तर पर पहुंचाने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

सक्ती जिले में सामूहिक पौधरोपण महाअभियान का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। सक्ती जिले में सामूहिक पौधरोपण महाअभियान का आयोजन किया गया। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी वाशु जैन, विभिन्न जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में जिलेवासियों ने सामूहिक पौधरोपण महाअभियान में बढ़-चढ़ कर भाग लिया और विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए।

सामूहिक पौधरोपण महाअभियान के तहत कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ द्वारा विभिन्न जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की उपस्थिति में नवापाराकला में पहुंचकर पौधरोपण किया गया। इसके साथ ही वन विभाग द्वारा विकासखंड सक्ती अंतर्गत आमनदुला के मंडी प्रांगड़ में वन महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। जिसमे बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा पौधरोपण किया गया।

सामूहिक पौधरोपण महाअभियान के तहत जिले में आज सक्ती, डभरा, मालखरौदा, जैजैपुर सभी विकासखण्ड में वृहद स्तर पर पौधरोपण अभियान का आयोजन किया गया। इसके साथ ही लोगों को विभिन्न प्रजातियों के पौधों का वितरण भी किया गया। सामूहिक पौधरोपण महाअभियान अंतर्गत आज मार्कफेड विभाग अंतर्गत जिले के सभी संग्रहण केंद्रों में, जिले के डोलोमाइट व लाइमस्टोन माइनिंग एरिया में, जिले के विभिन्न विद्यालयों में, जिले के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर, आयुर्वेद विभाग के माध्यम से जिले के सभी 23 आयुर्वेद डिस्पेंसरीज द्वारा विभिन्न प्रजातियों का पौधरोपण किया गया।

पीएम आवास से गरीबों को मिल रही खुशियां अपार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। अपनी झोपड़ी में वर्षों तलक परेशानी झेलते आए ग्राम सपलवा के प्रह्लाद सिंह इसलिए खुश है कि आने वाले दिनों में उनकी परेशानी अब परेशानी नहीं रहेगी। उन्हें भी अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी रहने का मौका मिलेगा।

उनकी पत्नी उर्मिला बाई भी चाहती थीं कि उनका भी कोई पक्का मकान हो लेकिन पक्के मकान के लिए खर्च की सीमा उनके सपनों को तोड़ देती थीं। गाँव के कई परिवारों के साथ इनका नाम भी जब पीएम आवास योजना में आया तो खुशी का ठिकाना न रहा। प्रह्लाद सिंह और उनकी पत्नी उर्मिला बाई अपने सपनो के आशियाने को पूरा करने जुट गए हैं। कोरबा जिले के पाली विकासखंड अंतर्गत ग्राम सपलवा के प्रहलाद सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में नाम आने के बाद उन्होंने अपना घर निर्माण शुरू किया है। खेती किसानी कर कुछ रुपये जोड़कर घर का खर्च भले ही निकाल लेता हैं, लेकिन इतने रुपये का इंतजाम नहीं कर पाता कि वह पक्का मकान बना सके।

महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध: स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर एवं विकास तरंगिणी, छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जागरूकता एवं जाँच शिविर का एनआईटी परिसर में आयोजन किया गया। यह जांच शिविर और जागरूकता कार्यक्रम विशेषत: सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के लिए आयोजित किया गया। शिविर के माध्यम से महिलाओं को नि:शुल्क जाँच, परामर्श और आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध कराई गईं। इस अवसर पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल शिविर में शामिल हुए और महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा महिलाओं की जांच की गई और नि:शुल्क जांच, परामर्श और दवाइयां प्रदान किया गया। महिलाओं की बड़ी संख्या ने इस पहल में भाग लेते हुए स्वास्थ्य जांच कराई और स्वास्थ्य विभाग की जागरूकता से लाभ प्राप्त किया।

इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कहा कि ऐसे शिविर महिलाओं को समय पर बीमारियों की जांच के लिए प्रेरित करते हैं और उनके स्वास्थ्य की रक्षा में बड़ा योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि आज अनेक बीमारियाँ हमारी बदलती जीवनशैली, रासायनिक उत्पादों के अत्यधिक उपयोग तथा पारंपरिक जीवन मूल्यों से दूर होने के कारण उत्पन्न हो रही हैं, उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा योग जैसे भारतीय आचार-विचार को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना करते हुए सर्वे भवन्तु सुखिन: के सिद्धांत को अपनाने की बात कही।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह पहल न केवल रोगों की समय पर पहचान में सहायक सिद्ध हो रही है, बल्कि महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में भी एक अच्छा कदम है। यह स्वस्थ नारी और सशक्त समाज की ओर बढ़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।उन्होंने कहा कि यह शिविर शिक्षा और स्वास्थ्य के मध्य एक सेतु का कार्य करेगा।

पीएचई के प्रशिक्षण में शामिल हुए डिप्टी सीएम साव, बोले- हर घर तक जल पहुंचाने के साथ प्राथमिकताओं में हो जल बचाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव विभागीय अधिकारियों तथा मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण के समापन सत्र में शामिल हुए। जल जीवन मिशन के तहत निमोरा स्थित ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान में आयोजित छह दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ग्रामीण जल आपूर्ति योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विभागीय सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुलहक और प्रमुख अभियंता टी.डी. सांडिल्य भी समापन सत्र में शामिल हुए।

एसपीएम-निवास और यूनिसेफ द्वारा दो बैचों में आयोजित प्रशिक्षण में 21 जुलाई से 23 जुलाई तक पहले बैच के प्रशिक्षुओं को ग्रामीण जलापूर्ति के संस्थागत एवं सामुदायिक पहलुओं पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। वहीं 24 जुलाई से 26 जुलाई तक दूसरे बैच में ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं के तकनीकी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन का प्रशिक्षण दिया गया। जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण जल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव की रणनीतियों को सुदृढ़ बनाने तथा क्षेत्रीय अधिकारियों और मास्टर ट्रेनर्स को जल संरचना की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने में दक्ष बनाने के लिए इस सघन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रशिक्षण के समापन सत्र में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन पर जोर देते हुए अपने संबोधन में कहा कि हर घर तक जल पहुँचाने के लक्ष्य के साथ हमें जल बचाने की जिम्मेदारी को भी प्राथमिकता देना होगा। हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए जल और जलस्रोतों को प्रभावी ढंग से संरक्षित करना होगा। उन्होंने प्रशिक्षण में मौजूद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में जलस्रोतों के संरक्षण के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। श्री साव ने उम्मीद जताई कि इस प्रशिक्षण से गांवों में स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा नल जल योजनाओं के सुचारू व निर्बाध संचालन में स्थानीय युवाओं और संस्थाओं की तकनीकी दक्षता बढ़ेगी।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता टीडी सांडिल्य ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें तकनीकी दक्षता, समुदाय आधारित सहभागिता एवं स्थिर जल प्रबंधन प्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान मिली जानकारियों को ज़मीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रेरित किया।

यूनिसेफ की बाल संरक्षण एवं लिंग विशेषज्ञ चेतना देसाई ने जल संरक्षण और प्रबंधन में लिंग संवेदनशीलता और बाल संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रशिक्षुओं को इन पहलुओं पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए योजनाबद्ध हो रहा कार्य : वित्त मंत्री चौधरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वित्त मंत्री ओम प्रकाश चौधरी ने कहा कि पहली से 15 वीं सदी तक भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी और इसका श्रेय हमारे छोटे-छोटे उद्योगों को जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए योजनाबद्ध कार्य हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार उद्यमियों के सुझावों को गंभीरता से लेकर उन्हें अमल में लाने हेतु प्रतिबद्ध है। श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ राज्य की नई औद्योगिक नीति से रोजगार ओर स्वरोजगार की संभावनाएं बढ़ी है।

लघु उद्योग भारती छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित वार्षिक बैठक एवं उद्यमी सम्मेलन में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप, राज्य सरकार का लक्ष्य 2047 तक छत्तीसगढ़ को भी विकसित राज्य बनाना है। अब तक 6.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं, जिनसे हजारों लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। उन्होंने यह भी बताया कि उद्योगों की स्थापना के लिए आवश्यक स्वीकृतियों की प्रक्रिया को सरल बनाने हेतु सॉफ्टवेयर आधारित प्रणाली विकसित की जा रही है, और बजट में सब्सिडी के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं।

सम्मेलन में लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद्र मुख्य वक्ता रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीगसढ राज्य औद्योगिक विकास निगम के चेयरमैन राजीव अग्रवाल एवं लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष समीर मुंदरा उपस्थित रहे। सी एस आई डी सी के चेयरमैन राजीव अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की नई उद्योग नीति निवेश के लिए अत्यंत अनुकूल है, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने लघु उद्योग भारती के प्रयासों की सराहना की और इसे छोटे उद्योगों के हित में एक प्रेरणादायक कदम बताया। संगठन की इस पहल से प्रदेश में लघु उद्योग क्षेत्र को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी। अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष समीर मुंदरा ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के सुझाव रखते हुए छत्तीसगढ़ में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने उद्यमियों के साथ अपने संवाद को अत्यंत सकारात्मक और प्रेरक बताया।

कार्यक्रम का प्रथम चरण संगठन की वार्षिक बैठक पर केंद्रित था, जिसमें प्रदेश भर की 22 पूर्ण इकाईयों एवं 14 संयोजक इकाईयों ने भाग लिया। सरगुजा से लेकर बस्तर तक की सभी इकाईयों ने अपने क्षेत्रीय उद्योगों से संबंधित मुद्दों और अनुभवों को साझा किया। बैठक में छत्तीसगढ़ प्रदेश की नई कार्यकारिणी की भी घोषणा की गई। लघु उद्योग भारती के संगठन मंत्री प्रकाश चंद्र ने भारत के ऐतिहासिक औद्योगिक वैभव का उल्लेख करते हुए उद्यमियों को पुन: उस गौरव को प्राप्त करने के लिए संगठित होकर कार्य करने का आह्वान किया।

प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंघानिया ने स्वागत भाषण में संगठन की रीति-नीति पर प्रकाश डाला। प्रदेश महामंत्री डॉ श्रीमती सीपी दुबे ने दो वर्षों के कार्यकाल में संगठन द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। प्रदेश कोषाध्यक्ष दीपक उपाध्याय ने वित्तीय जानकारी दी, और संयुक्त महामंत्री कैलाश चंद्रवंशी ने नवचयनित पदाधिकारियों का परिचय कराया। कार्यक्रम में ईश्वर पटेल, किशोर पटेल, रवि वर्मा, मोहन पटेल, योगेश पटेल सहित सभी इकाइयों के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950